वर्ष -15 अंक-24 प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित अनूपपुर 15 से 21 जून 2023 मूल्य 2.00 पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी- SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फ़तवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

सुविचार

प्रसन्नता परमात्मा की दी हुई औषधी है।

- स्वेट मार्डन

पेज-2

पेज-3

पेज-4

मुख्यमंत्री ने ली उच्च स्तरीय बैठक

सतपुड़ा भवन में आग की घटना की जांच रिपोर्ट 3 दिन में प्रस्तुत करें - मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सतपुड़ा भवन में लगी आग की घटना की जाँच रिपोर्ट 3 दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा है कि यह संतोष की बात है कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। शासकीय कार्य प्रभावित न हो इस उद्देश्य से जो कार्यालय आग से प्रभावित हुए हैं, उन्हें अन्य भवनों में शिफ्ट कर तत्काल कार्य आरंभ किया जाए। शासकीय दस्तावेजों को डिजिटली रिट्रीव कर रिकॉर्ड संधारित किया जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने सतपुड़ा भवन में आग लगने की घटना पर उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्देश दिए। निवास कार्यालय भवन समत्व में हुई बैठक में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रभुराम चौधरी और मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना न हो इसके लिए फायर सेफ्टी ऑडिट की

पुख्ता व्यवस्था की जाए। यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सभी बहुमंजिला इमारतों के चारों ओर फायर फाइटिंग सिस्टम को ऑपरेट करने के लिए स्थान उपलब्ध हो। बैठक में जानकारी दी गई कि आग पर नियंत्रण के लिए सेना, सीआईएसएफ, भेल और एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीमों को सक्रिय किया गया था। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, श्रीमती पल्लवी जैन गोविल, सुखबीर सिंह उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में चुनाव से पहले भाजपा में घमासान

भोपाल एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश भाजपा में घमासान जोरों पर है। रतलाम जिले में तो बगावत खुलकर सामने आ गयी है। पार्टी में विरोध इतना बढ़ गया है कि अब यहां तो खुलकर इस्तीफे दिए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत आलोट से हुई थी जो अब ग्रामीण इलाकों में भी फैल गयी है। चुनावी साल में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की ये बगावत भाजपा पर भारी पड़ सकती है। रतलाम जिले के आलोट के बाद अब रतलाम ग्रामीण में भी पदाधिकारियों ने थोकबंद इस्तीफे दे दिए हैं। विभिन्न प्रकोष्ठ के 40 से ज्यादा पदाधिकारियों ने अपने पद छोड़ दिए हैं। पद छोड़ने वाले सारे पदाधिकारी जिलाध्यक्ष राजेंद्र लुनेरा से नाराज हैं। पार्टी में इस बगावत के बाद हड़कंप है। नेता डैमेज कंट्रोल में जुट गए हैं। मध्य प्रदेश में कुछ महीने बाद विधानसभा चुनाव हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल जी जान से तैयारी में लगे हैं। लेकिन भाजपा में असंतोष और गुटबाजी इस बार ज्यादा देखने मिल रही है।

सियासत कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने अंदर जाने से रोका, धरने पर बैठे विधायक

सतपुड़ा की आग से भड़की सियासत!

नेता प्रतिपक्ष ने धक्का-मुक्की के लगाए आरोप

भोपाल नप्र। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित सतपुड़ा भवन में सोमवार को शाम 4 बजे लगी आग पर भले ही 20 घंटे बाद काबू पा लिया गया हो, लेकिन इस घटना से भड़की एमपी की सियासत अभी जारी है। मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष की अगुवाई में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुंचा। लेकिन पुलिस ने उनको अंदर जाने से रोका दिया। इससे नाराज होकर नेता प्रतिपक्ष के साथ कांग्रेस विधायक धरने पर बैठ गए। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मेरे साथ गए दलित और आदिवासी विधायक को पुलिस ने धक्का देकर बाहर निकाल दिया। जनप्रतिनिधियों का अपमान किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने साजिश के तहत फाइलों को जलाया हैं। नर्सिंग घोटाले की जांच प्रभावित हो, इसलिए ये अग्निकांड किया गया है। वहीं कांग्रेस आदिवासी विधायक फुन्देलाल मार्को ने आरोप लगाते हुए कहा कि आदिम जाति कल्याण विभाग में स्कॉलरशिप घोटाले को खत्म करने के लिए आग लगाई गई।

इस पर प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि भोपाल के सतपुड़ा भवन में आग लगने के कारणों की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो तीन दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। डिजिटल युग में दस्तावेज नष्ट करना संभव नहीं है। थोड़ा समय लगेगा, लेकिन जल्द पूरा बैकअप क्रिएट कर लिया जाएगा। इससे पूर्व सोमवार शाम सतपुड़ा भवन में आग लगने की घटना के बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष अरुण यादव ने ट्वीट कर कहा कि प्रियंका गांधी ने घोटाले गिनाए, तो सतपुड़ा भवन में आग लग गई, कई महत्वपूर्ण फाइलें खाक हुईं। कहीं आग के बहाने घोटाले के दस्तावेज जलाने की सजिश तो नहीं। यह आग मध्य प्रदेश में बदलाव के संकेत दे रही है।

कमल नाथ ने की निष्पक्ष जांच की मांग

सतपुड़ा भवन की आग में राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने इसमें साजिश का आरोप लगाया है। उधर, भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस का यही चरित्र है वह आग की दुर्घटना में भी राजनीति कर रही है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी कर इस घटना पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। कमल नाथ ने कहा कि सतपुड़ा भवन में आग लगना अत्यंत चिंता का विषय है।

संक्षिप्त खबरें

कुत्तों ने नोंचकर 5 साल की बच्ची को मार डाला

आगरा एजेंसी। आगरा में 5 साल की बच्ची को कुत्तों ने नोंचकर मार डाला। मासूम अपनी बहन के साथ खेल रही थी, तभी कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने दोनों को घेरकर काटा। शोर सुनकर आस-पास के लोग दौड़कर आए। बच्चियों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई। डॉक्टरों ने कहा कि कुत्तों ने उसकी गर्दन पर दांत गड़ाए थे। गहरे घाव की वजह से उसको बचाया नहीं जा सका। जबकि दूसरी बच्ची का इलाज अस्पताल में चल रहा है। उसकी हालत भी गंभीर है। उसके शरीर पर शरीर पर घाव ही घाव हैं। घटना डौकी इलाके के गांव कुई कुमरगढ़ की है। चचेरी बहनें कंचन (5) और रश्मि (8) घर से 100 मीटर दूर बाग में खेल रही थीं। वहां पर अचानक कई आवारा कुत्ते आ गए। दोनों बचने के लिए भागी, मगर, कुत्तों ने उन्हें घेरकर उन्हें काटना शुरू कर दिया।

गैंगस्टर मामले में मुतार अंसारी पर फैसला टला

गाजीपुर एजेंसी। एमपी एमएलए कोर्ट में आज 13 जून को माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ चल रहे एक गैंगस्टर मामले में फैसले की तारीख मुकर्रर थी। लेकिन जज के अवकाश पर चले जाने की वजह से अगली तारीख 15 जुलाई तय की गई है। मालूम हो कि बीते 20 मई को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने अगली तारीख 13 जून तय की थी। यह केस जिले के करण्डा थाने में दर्ज हुआ था। मालूम हो कि बीते 17 मई को इसी कोर्ट से एक अन्य हत्या के प्रयास मामले में मुख्तार को दोष मुक्त किया जा चुका है। करण्डा थाना क्षेत्र के सुआपुर के रहने वाले कपिल देव सिंह हत्या मामले से जुड़े गैंगेस्टर केस में आज फैसला आना था। इस हत्या मामले में मुख्तार अंसारी पर गैंगस्टर एक्ट में केस चल रहा है। लगभग 14 साल पूर्व करंडा थाना क्षेत्र के सुआपुर में कपिल देव सिंह नाम के शख्स की हत्या हुई थी।

हनीट्रैप गैंग ने 35 लोगों से ठगे ढाई करोड़

बरेली एजेंसी। बरेली में हनीट्रैप गैंग का मामला सामने आया है। गैंग करीब 35 लोगों से ढाई करोड़ रुपए की ठगी कर चुका है। जिनमें रिटायर्ड अधिकारी और पुलिसकर्मी, व्यापारी नेता भी शामिल हैं। गैंग की महिलाएं और लड़कियां अलग-अलग लोगों को हनीट्रैप में फंसा रही थीं। पहले सोशल मीडिया पर दोस्ती करती थीं। फिर प्रेम जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करती थीं। यह गैंग दरअसल, 6 जून को एक महिला ने कैंट थाने में एक लड़की और एक लड़के के खिलाफ केस दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने जांच की, तो हनीट्रैप का मामला सामने आया। फिलहाल अभी तक पुलिस के पास 6 शिकायतों पहुंची हैं। इनमें से 3 मामलों में स्न्ब्रक्र हुई है। मामले को लेकर स्स्क्क प्रभाकर चौधरी का कहना है कि जल्द इस गैंग का खुलासा कर दिया जाएगा। इसमें पुलिस की 2 टीमें लगाई गईं। गैंग 2019 से लोगों को ब्लैकमेल कर ठगी कर रहा था।

बिपरजॉय से पहले गुजरात-मुंबई के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश

मुंबई-भुज-राजकोट में 7 की मौत, गुजरात के 7 जिलों से 21 हजार लोगों को निकाला

मुंबई एजेंसी। अरब सागर में उठा तूफान बिपरजॉय गुजरात की ओर बढ़ रहा है। ये तूफान 15 जून की दोपहर को कच्छ जिले के जखौ पोर्ट से टकराने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को तूफान कुछ कमजोर हुआ है, हालांकि यह अब भी खतरनाक ही है। 15 जून को जब यह गुजरात तट से टकराएगा तो 150 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। तूफान के चलते गुजरात और मुंबई के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश का दौर जारी है, जिसमें 7 लोगों की मौत की खबर है। उधर, अमित शाह ने आज दिल्ली में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्रियों के साथ बैठक की।

उन्होंने बिपरजॉय तूफान से निपटने को आपदा प्रबंधन के लिए 8000 करोड़ रुपए की 3 बड़ी स्कीमों की घोषणा की। इसमें फायर ब्रिगेड का आधुनीकरण, बाढ़ नियंत्रण और लैंडस्लाइड की घटनाओं पर रोकधाम शामिल हैं। इसके बाद गुजरात सरकार ने कच्छ-सौराष्ट्र में समुद्र तट से 10 किलोमीटर की सीमा में 7 जिलों से 21 हजार लोगों को निकालकर शेल्टर होम में भेज दिया।

तूफान के चलते गुजरात की 67 ट्रेन रद्द, 25 ट्रेन दूसरे स्टेशनों से चलेंगीं

बिपरजॉय के चलते पश्चिम रेलवे ने चक्रवात संभावित क्षेत्रों में एहतियात के तौर पर 67 ट्रेन को पूरी तरह से रद्द करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही सौराष्ट्र के ओखा, पोरबंदर और जामनगर से चलने वाली 25 ट्रेन अब राजकोट, सुरेंद्रनगर और अहमदाबाद से चलेंगीं।

गुजरात के द्वारका से 290 किमी दूर

मौसम विभाग के मंगलवार सुबह 9 बजे के अपडेट के मुताबिक, तूफान 8 किमी/घंटे की रफ्तार से नॉर्थ-वेस्ट में आगे बढ़ रहा है। तूफान मंगलवार सुबह 5.30 बजे पोरबंदर से 300 किमी, द्वारका से 290 किमी, जखौ पोर्ट से 340 किमी, नालिया से 350 किमी दूर था।

गुजरात और महाराष्ट्र में पांच की मौत

तूफान के चलते गुजरात और महाराष्ट्र में हुई पांच मौतों में 2 बच्चे भी शामिल हैं, ये बच्चे भुज के हैं। इन पर दीवार गिर गई थी। राजकोट में एक महिला पर पेड़ गिर गया। वहीं, मुंबई के जुहू बीच पर घूमने गए पांच में से चार लड़के समुद्र में डूब गए थे। मंगलवार को इनके शव बरामद हुए।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह-सीएम शिवराज ने दी बड़ी सौगात

11 लाख किसानों का ब्याज माफ

किसानों के खातों में साढ़े 6 हजार करोड़ राशि की ट्रांसफर

राजगढ़ जिले में किसान कल्याण महाकुंभ आयोजित किया गया। जिसमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगल क्लिक से किसानों के खातों में 6 हजार करोड़ रूपये ट्रांसफर किए।

राजगढ़ नप्र। मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना-2023 में 11 लाख किसानों के खाते में 2123 करोड़ रूपये, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 44 लाख 49 हजार किसान के खाते में 2900 करोड़, मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में 70 लाख 61 हजार किसान के खाते में 1400 करोड़ की सौगात दी। इस दौरान सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि कमलनाथ ने जो कर्ज माफी का वादा किया था। इसके बाद किसानों ने ब्याज नहीं भरा। वह ब्याज की गठरी 2200 करोड़ हो गई। आज हम वह गठरी उतार रहे हैं। इस अवसर पर सीएम शिवराज ने किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाने की भी घोषणा की। प्रदेश सरकार ने 2 हजार बढ़ाये। अब किसानों को 6 हजार केंद्र व 6 हजार राज्य सरकार के मिलेंगे।

बहनों की जिंदगी बदलना हमारा मिशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह आए है। मैंने उनसे राजनीति का कखग सीखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 9 साल पूरे हुए हैं, स्वागत कीजिए मोदी जी का। आज मेरी लाड़ली बहनें इतनी बड़ी संख्या में आई हैं। योजना का पैसा खाते में नहीं आया तो बाकी 50 लाख बहनों के खातों में भी पैसा कल सवेरे तक आ जाएगा। हम कमलनाथ थोड़े ही है। एक बात और सुन लो, केवल एक हजार नहीं जैसे-जैसे पैसे का इंतजाम होगा, वैसे-वैसे एक हजार से बढ़ाकर 1250 रुपए फिर 1500 रुपए फिर 1750, 2 हजार, 2000 रुपए फिर 2500 रुपए करूंगा। इसको बढ़ाकर 3 हजार रुपये तक ले जाऊंगा। बहनों की जिंदगी बदलना हमारी जिंदगी का मिशन है।

नल-जल योजना का लोकार्पण

इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मोहनपुरा-कुंडालिया पाइप सिंचाई प्रणाली और गोरखपुरा समूह नल-जल योजना का लोकार्पण किया। महाकुंभ में 11 हजार 378 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में 11 करोड़ 25 लाख रुपये की साढ़े 24 किलोमीटर लंबी सड़क का लोकार्पण और राजगढ़ नगर सुरक्षा के लिये नेवज नदी के तट पर 16 करोड़ 30 लाख रुपये की बाढ़ सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया गया है। 1689 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार-पत्र वितरित किए गए।

देश में पहली बार भूमिगत नहरों का लोकार्पण

यह पहला ही मौका जब देश में कहीं पर अंडरग्राउंड नहरों का लोकार्पण हुआ है। मोहनपुरा-कुंडालिया बांधों से 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि के रकबे में सिंचाई करने के लिए यह नहरें पूरी तरह से तैयार है। जिनका आज लोकार्पण हुआ। दोनों परियोजनाओं से 2 लाख 85 हजार हेक्टेयर में सिंचाई होना है। जिसमें से अभी तक दोनों से 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर तैयार हो चुका है। 95 हजार हेक्टेयर मोहनपुरा बांध से व 30 हजार हेक्टेयर कुंडालिया बांध से सिंचाई के लिए नहरें तैयार हैं।

537 गांवों के किसान होंगे लाभांवित

दोनों ही बांधों से कुल करीब 988 गांवों को लाभ मिलना है। जिसमें फिलहाल 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर जमीन के लिए नहरों का लोकार्पण होने से अभी 537 गांव लाभांवित होंगे। इससे लाखों लोगों की भूमि हरी-भरी होगी। सबसे अधिक लाभ कालीपीठ क्षेत्र के पथरीले हिस्से को मिलेगा। जहां कभी पानी की किल्लत के कारण फसलों की पैदावार नहीं हो पाती थी। अब इससे फसलों की पैदावार बढ़ना तय है।

नौतपा जैसा तप रहा मप्र

खजुराहो सबसे गर्मः ग्वालियर-सतना समेत 6 शहरों में टेम्प्रेचर सबसे हाई

भोपाल नप्र। मध्यप्रदेश में नौतपा जैसी गर्मी पड़ रही है। जून में पहली बार खजुराहो प्रदेश में सबसे गर्म रहा। मंगलवार को यहां तापमान 45.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, ग्वालियर-दमोह समेत 6 शहरों में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। यहां 43 डिग्री से ज्यादा टेम्प्रेचर दर्ज किया गया। भोपाल, जबलपुर समेत 22 ऐसा शहरों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। हालांकि भीषण गर्मी के बीच कुछ शहरों में हल्की बारिश भी हुई। इस दौरान मंगलवार को सागर, दमोह, सिवनी और ग्वालियर में बारिश भी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक ग्वालियर, दमोह, सतना, सीधी, नौगांव और शिवपुरी में तापमान 43 डिग्री से ज्यादा रहा। भोपाल में 41.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के 22 शहरों में तापमान 40 डिग्री से लेकर 45.2 डिग्री तक रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि लोकल सिस्टम की वजह से बारिश हुई है। प्रदेश में गर्मी का असर 16 जून तक रहेगा। तूफान और राजस्थान के गर्म रहने की वजह से गर्मी तीखे तेवर दिखा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले दो दिन यानी 13 और 14 जून को भी प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में तेज गर्मी पड़ सकती है। कुछ शहरों में बूंदाबांदी का अनुमान भी है। अरब सागर में उठे चक्रवात बिपरजॉय की वजह से मध्यप्रदेश का मौसम भी बदल गया है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि चक्रवात ने नमी समेट ली है। इस कारण ज्यादातर शहरों में आसमान साफ है, जिससे सूरज की किरणें सीधे धरती पर पड़ रही हैं।

दिसंबर 2024 तक पूरा होगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, ताबड़तोड़ चल रहा काम

नई दिल्ली एजेंसी। देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का काम ताबड़तोड़ चल रहा है। नई दिल्ली से राजस्थान के दौसा तक यह एक्सप्रेसवे यातायात के लिए खुल चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार का इरादा इस एक्सप्रेसवे को जल्द से जल्द तैयार करने का है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने एक्सप्रेसवे के पूरा होने के संबंध में कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे दिसंबर, 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। देश की राजधानी को आर्थिक राजधानी से जोड़ने वाले इस एक्सप्रेसवे से दोनों शहरों के बीच यात्रा केवल 12 घंटे में पूरी हो सकेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्सप्रेसवे का निर्माण तेज गति से हो रहा है। एक्सप्रेसवे

पांच राज्यों- हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। वहीं 1,350 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का 245 किलोमीटर हिस्सा मध्यप्रदेश में भी पड़ता है। यहां काम 9 खंडों में किया जा रहा है। इनमें से आठ खंडों में काम लगभग पूरा हो चुका है। गौरतलब है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस की नींव साल 2019 में रखी गई थी।

मोबाइल के लिए डैम का 21 लाख लीटर पानी बहा दिया

कांकेर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक अफसर ने डेढ़ लाख रुपए के मोबाइल के लिए डैम का 21 लाख लीटर पानी बहा दिया। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर प्रियंका शुक्ला ने शुक्रवार को उसे निलंबित कर दिया। उधर, जल संसाधन विभाग के एसडीओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इनसे 24 घंटे में जवाब मांगा है। यह मामला 21 मई का है। फूड इंस्पेक्टर राजेश विश्वास दोस्तों के साथ परलकोट बांध गए थे। पार्टी करने के दौरान उनका डेढ़ लाख रुपए का मोबाइल पानी में जा गिरा। अगले दिन सुबह आसपास के ग्रामीणों और गोताखोर से मोबाइल की खोज कराई गई, जब नहीं खोज पाए तो 4 दिनों तक पंप के जरिए डैम का पानी बहाया गया। इससे डेढ़ हजार एकड़ खेत की सिंचाई हो सकती थी। इस पूरी मशक्कत के बाद राजेश को मोबाइल मिल गया।

युवक ने कुल्हाड़ी से की सास-बहू की हत्या- गुस्साए ग्रामीणों ने छह घंटे तक हाईवे जाम किया; फूंक दिया आरोपी का घर

अनूपपुर नप्र। अनूपपुर में एक युवक ने दो महिलाओं के सिर पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में दो अन्य लोग घायल हैं। घटना भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के बरबसपुर गांव में मंगलवार सुबह की है। मृतक महिलाएं सास और बहू थीं। वारदात से नाराज ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। पुलिस की मौजूदगी में ही आरोपी के घर में आग लगा दी। पुलिस के जल्द कार्रवाई के आश्वासन पर 6 घंटे बाद जाम खुला।

जमीन से निकलने का रास्ता न देने पर विवाद

बरबसपुर निवासी छोटन रजक और विजय प्रजापति के परिवारों के बीच जमीन से निकलने का रास्ता न देने पर विवाद चल रहा है। मंगलवार सुबह भी इस बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच बहस हुई। गुस्से में छोटन ने कुल्हाड़ी उठाकर विजय पर हमला कर दिया। यह देख विजय की पत्नी जानकी (36), मां पहारा बाई (56) और चाचा नरेश प्रजापति उसे बचाने दौड़े। छोटन ने जानकी और पहारा बाई के सिर पर कुल्हाड़ी मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, विजय और नरेश घायल हो गए।

संपादकीय

भारतीय मूल के छात्रों को कनाडा में राहत

भारतीय युवाओं को ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश इसलिए आकर्षित करते हैं कि वहां जाना आसान है और कुछ पैसे लेकर एजंट लोगों को वहां आसानी से भेज भी देते हैं। कनाडा में पढ़ाई करने गए और कुछ दिनों से निर्वासन के भय में जी रहे भारतीय मूल के छात्रों को वहां के अधिकारियों ने बड़ी राहत दी है। उनके निर्वासन पर स्थगन आदेश जारी कर दिया है। इस मामले में भारत का विदेश मंत्रालय लंबे समय से छात्रों के प्रति सहानुभूति पूर्वक व्यवहार की अपील कर रहा था। विदेशमंत्री ने कहा है कि इसमें दोष छात्रों का नहीं, बल्कि उन एजंसियों का है, जिनकी मार्फत वे वहां पढ़ाई करने पहुंचे थे। दरअसल, मामला यों है कि कई विद्यार्थी यहां से कनाडा के संस्थानों में दाखिला कराने वाली एजंसियों की मदद से वहां पहुंचे थे। उन्होंने जिस कालेज में दाखिले का पत्र उन्हें दिया, उसी आधार पर वीजा मिल गया। मगर जब वे वहां पहुंचे, तो उन कालेजों ने कहा कि उनके यहां दाखिला पूरा हो चुका है। ऐसे में एजंसियों ने उन्हें किसी दूसरे कालेज में दाखिला लेने को प्रेरित किया। इस तरह वहां रह कर उन्होंने पढ़ाई पूरी की और कहीं काम करने लगे। मगर गड़बड़ तब हुई जब उन्होंने वहां स्थायी निवास के लिए आवेदन किया। वहां के अधिकारियों ने देखा कि वे जिस कालेज में दाखिले के लिए आए थे, उसके बजाय दूसरे कालेज से पढ़ाई की और वहां रह कर काम करते रहे। फिर उन्होंने उन छात्रों को फर्जी तरीके से वहां रहने का दोषी करार देते हुए वापस भेजने का आदेश जारी कर दिया। ऐसे करीब सात सौ युवा हैं। अच्छी बात है कि कनाडा के संबंधित प्राधिकार ने इस मामले को समझा और वहां फंसे युवाओं को वापस भेजने के अपने फैसले पर रोक लगा दी। यह पहली बार नहीं है, जब विदेश भेजने वाले एजंटों के फजीर्वाड़े के चलते भारतीय नागरिकों को दूसरे देशों में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय युवाओं को ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश इसलिए आकर्षित करते हैं कि वहां जाना आसान है और कुछ पैसे लेकर एजंट लोगों को वहां आसानी से भेज भी देते हैं। मगर कुछ दिनों बाद जब उन्हें वहां स्थायी निवास की अनुमति नहीं मिलती, तो इधर-उधर भटकना और दूसरे फजीर्वाड़ों का सहारा लेना पड़ता है। खासकर पंजाब और हरियाणा के युवाओं में कनाडा और ब्रिटेन जाने की ललक कुछ अधिक देखी जाती है। इसका फायदा एजंसियां उठाती हैं और भारी-भरकम रकम लेकर उन्हें वहां भेज भी देती हैं। कुछ साल पहले ऐसे ही फजीर्वाड़े करने वाली कुछ एजंसियों को पकड़ा गया था, जिसमें कई नामचीन लोगों के भी हाथ पाए गए। तब सरकार ने इस धंधे पर रोक लगाने का संकल्प लिया था, मगर अब तक ऐसा कुछ नहीं हो पाया है। विद्यार्थियों का विदेश में पढ़ाई के लिए आना-जाना कोई गुनाह नहीं है। मगर जब किसी वजह से कुछ युवा एजंटों के जरिए फर्जी तरीके से दूसरे देशों में पहुंचते हैं, तभी मुश्किल होती है। चिकित्सा विज्ञान जैसे कुछ पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए तो प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, इस तरह उनमें पंजीकृत कराने और बाहर दाखिले के लिए जाने वाले छात्रों के बारे में विदेश मंत्रालय के पास आंकड़ा रहता है। मगर जो फर्जी दस्तावेजों पर वहां जाते हैं, मुश्किलें उनके सामने ही खड़ी होती हैं। विदेशमंत्री ने कहा तो है कि कनाडा में निर्वासन का भय झेल रहे छात्रों का दोष नहीं है, मगर इसके लिए जो लोग दोषी हैं, क्या उन पर नकेल कसने की कोई तैयारी है, ताकि आगे ऐसी समस्या न पैदा हो!

करवट लेता भारतीय सिनेमा

लेखक
मृत्युंजय दीक्षित

आमिर-शाहरुख-नसीर को भारत में डर लगने लगा। अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए ये टुकड़े-टुकड़े गैंग से जा मिले, जिसके बाद दर्शकों के एक बहुत बड़े वर्ग में आक्रोश की ज्वाला भड़क उठी। हिंदी फिल्मों के बहिष्कार का आह्वान होने लगा और हालात यह हो गए कि बड़े-बड़े स्टार माने जाने वाले लोगों की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर पानी भी नहीं मांगा। बीते कुछ वर्षों में दर्शकों की रुचि और प्यार में बदलाव आया। वह अब हिंसा और अश्लीलता से भरपूर बेढंगी कहानियों पर आधारित फिल्मों का पूर्णतः बहिष्कार कर उन्हें सुपर फ्लॉप कर रहा है। वहीं किसी सत्य, ऐतिहासिक घटना व तथ्यों पर आधारित घटनाओं और कहानियों पर बनी फिल्मों का हृदय से स्वागत कर रहा है। उत्तर-दक्षिण और भाषा का भेदभाव लगभग समाप्त हो गया है।

राजा हरिश्चंद्र से आज तक भारतीय सिनेमा ने न केवल तकनीकी विकास वरन कला और वैचारिक प्रधानता के भी कई दौर देखे हैं। आज की पीढ़ी को एंग्री यंग मैन का समय स्मरण है जब सामाजिक समस्याओं से उकताए लोग सुनहरे पर्दे पर अमिताभ बच्चन को बीस-बीस गुंडों को मारने के काल्पनिक दृश्य देखकर तालियां बजाते अपनी कुंठा से बाहर निकलने का प्रयास करते थे। फिर खान बंधुओं की फिल्मों का समय प्रारम्भ हुआ और एंगर की जगह रोमांस ने ले ली। इन्हीं खान बंधुओं ने ग्रे शेड वाले हीरो को जन्म दिया और अपराध को महिमा मंडित करने लगे और लोग उनके लिए दीवाने होने लगे।

इस सबके बीच सामानांतर सिनेमा भी चलता रहा। धीरे-धीरे दर्शकों में यह समझ उभरने लगी कि उनके साथ छल हो रहा है। उन्होंने अनुभव किया कि वामपंथी और तथाकथित सेक्युलर इस महत्वपूर्ण माध्यम का उपयोग वृहद हिंदू समाज और संस्कृति को अपमानित करने और युवा हिन्दू को अपने धर्म और संस्कार से दूर ले जाने के लिए कर रहे हैं। इस बीच फिल्म जगत ने कुछ ऐसे कार्य किये जो देशद्रोह की श्रेणी में रखे जा सकते हैं। इन लोगों ने याकूब मेनन जैसे खूंखार आतंकी को बचाने के लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखने का अभियान चलाया। आमिर-शाहरुख-नसीर को भारत में डर लगने लगा। अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए ये टुकड़े-टुकड़े गैंग से जा मिले, जिसके बाद दर्शकों के एक बहुत बड़े वर्ग में आक्रोश की ज्वाला भड़क उठी। हिंदी फिल्मों के बहिष्कार का आह्वान होने लगा और हालात यह हो गए कि बड़े-बड़े स्टार माने जाने वाले लोगों की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर पानी भी नहीं मांगा। बीते कुछ वर्षों में दर्शकों की रुचि और प्यार में बदलाव आया। वह अब हिंसा और अश्लीलता से भरपूर बेढंगी कहानियों पर आधारित फिल्मों का पूर्णतः बहिष्कार कर उन्हें सुपर फ्लॉप कर रहा है। वहीं किसी सत्य, ऐतिहासिक घटना व तथ्यों पर आधारित घटनाओं और कहानियों पर बनी फिल्मों का हृदय से स्वागत कर रहा है। उत्तर-दक्षिण और भाषा का भेदभाव लगभग समाप्त हो गया है। रुचि पूर्ण कथ्य किसी भी भाषा में हो, राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति जा जा रहा है। बजट महत्वपूर्ण नहीं रहा। अतः छोटे स्टार कास्ट और नवोदित अभिनेता अभिनेत्री भी चल पड़े हैं। भारतीय सिनेमा में राष्ट्रवाद और सनातन संस्कृति का सकारात्मक पक्ष दृष्टिगोचर होने लग गया है। एक तथ्य यह भी है कि सत्य कहने वाली फिल्मों पर जमकर राजनीति हो रही है, भारत विरोधी और छद्म धर्मनिरपेक्षता-वाले लोग जो आज तक भारतीय संस्कृति का उपहास करके पैसा कमाते थे अब सच सामने लाने वाली फिल्मों का प्रदर्शन रोकने के लिए न्यायपालिका के दरवाजे भी खटखटा रहे हैं। एक समय था कि लोग भारतीय सिनेमा के कंटेंट से प्रभावित होते थे किंतु अब भारतीय सिनेमा राजनीति में आए बदलाव से प्रभावित हो रहा है। भारतीय सिनेमा में बदलाव का यह दौर विक्की कौशल अभिनीत फिल्म उरी -द सर्जिकल स्ट्राइक के साथ प्रारम्भ हुआ। इसमें सितंबर 2016 में भारतीय सेना के पाकिस्तान की नियंत्रण रेखा पार कर सर्जिकल स्ट्राइक की घटना को जीवंत किया गया है। इस फिल्म ने राष्ट्रवाद की ज्वाला धधका दी थी और जनमानस में फिल्म के संवाद बहुत लोकप्रिय हुए। उरी की सफलता ने एक बड़ी लकीर खींच दी। इन्हीं एक-दो वर्षों में तान्हाजी, मणिकर्णिका जैसी फिल्मों ने भी दर्शकों को अपनी ओर खींचा जबकि आम मसाला फिल्मों की कमाई बंद होने लगी।

आश्चर्यजनक रूप से कश्मीरी हिन्दुओं की त्रासदी पर आधारित विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं, बहुत ही कम बजट की इस फिल्म ने 250 करोड़ से अधिक का कारोबार कर दिखाया। इस फिल्म की सफलता ने दर्शकों की बदलती रुचि का दस्तावेज लिख दिया और फिल्म जगत को करवट लेने को बाध्य कर दिया। पिछले दिनों, केरल में मतांतरण की घटनाओं व हिंदू युवतियों का ब्रेनवॉश करके उन्हें आईएसआइएस जैसे खूंखार आतंकी संगठनों में धकेले जाने पर आधारित फिल्म द केरल स्टोरी को भारी सफलता मिल रही है। इस फिल्म को लेकर भी खूब राजनीति हुई। इसे लेकर भारत की राजनीति दो धड़ों में बंट गई। बहुत छोटे बजट की यह फिल्म अब तक 230 करोड़ से अधिक का कारोबार कर चुकी है। फिल्म की सफलता से गदगद निमार्ता विपुल शाह ने द केरल स्टोरी पार्ट 2 बनाने का भी ऐलान कर दिया है। इस फिल्म से हिंदू समाज की बेटियों में भी जागृति आ रही है। केरल में धर्मांतरण की शिकार 26 बेटियों ने सार्वजनिक रूप से अपनी कहानी सुनकर फिल्म की सत्यता की पुष्टि की।

आने वाले कुछ महीनो में ऐसी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इनमें चुनाव बाद बंगाल में हुई हिंसा पर आधारित द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल है। इससे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक रूप से असहज हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि यह फिल्म 2024 के पूर्व ममता दीदी को परेशान कर सकती है। एक अन्य फिल्म जो चर्चा में है वो है अजमेर -92। इसमें अजमेर के दरगाह शरीफ में 1992 में हिंदू समाज की बेटियों को लव जिहाद में फंसाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म और मतान्तरण के लिए मजबूर किए जाने की सत्य घटना को दिखाया गया है। इससे कुछ मुस्लिम नेताओं का गुस्सा अभी से सातवें आसमान पर है। गुजरात के गोधरा में घटी घटना पर आधारित फिल्म भी प्रदर्शन के लिए तैयार है। फिल्म हूरें 72 भी चर्चा में है। कंगना रनौत इमरजेंसी के निर्माण में व्यस्त हैं। स्वातंत्र्य वीर सावरकर के जीवन पर आधारित रणदीप हुड्डा की फिल्म भी शीघ्र ही प्रदर्शन के लिए तैयार होगी। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सुपर स्टार निखिल सिद्धार्थ ने भी एक नई फिल्म की घोषणा की है। इसका नाम है- द इंडिया हाउस। यह फिल्म भी वीर सावरकर को ही समर्पित है। इसी वर्ष निखित एक फिल्म स्पाई लेकर आ रहे हैं। यह नेताजी सुभाष चंद्र बोस के रहस्य की कहानी है। यह 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नई तरह की सत्य घटनाओं और तथ्यों तथा भारतीय संस्कृति पर आधारित छोटे बजट की बड़ी फिल्मों में माधवन की रॉकेटरीद्मद नम्बी इफेक्ट और ऋषभ शेट्टी की कान्तारा का नाम सम्मिलित किए बिना सूची पूरी नहीं होती। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव के पूर्व ही अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा, इसी कड़ी में अयोध्या आंदोलन को जीवंत बनाने के लिए तथा जनमानस को इस आन्दोलन का स्मरण दिलाने के लिए अरुण गोविल अभिनीत फिल्म 695 की शूटिंग तेजी से चल रही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्यों खालिस्तानी सक्रिय हैं कनाडा में

लेखक
आर.के. सिन्हा

झांकी में इंदिरा गांधी को खून से सनी साड़ी पहने दिखाया गया है। उनके हाथ ऊपर हैं। दूसरी तरफ दो शख्स उनकी तरफ बंदूक ताने खड़े हैं। इसके पीछे लिखा है-बदला। कनाडा अपने को एक सभ्य देश होने का दावा करता है। पर वहां अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वाले खुल कर खेल कर रहे हैं। आप इंदिरा गांधी की कुछ नीतियों से असहमत हो सकते हैं, पर यह कोई भी भारतीय सहन नहीं करेगा कि उन्हें आपत्तिजनक तरीके से झांकी में पेश किया जाए। इस सारे घटनाक्रम से भारत स्तब्ध है। इस कट्टरपंथ की सार्वभौमिक तौर पर निंदा होनी चाहिए। पता नहीं क्यूं, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विदेशों में जाकर जहर उगलने वाले राहुल अपनी दादी के अपमान पर क्यों नहीं बोल रहे। कनाडा लंबे समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। वहां पर मंदिरों में भी तोड़फोड़ की जाती है।

कनाडा में खालिस्तानी ताकतें भारत और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगल रही हैं। दुख इस बात का है कि मित्र देश होने के बावजूद कनाडा सरकार कुछ नहीं कर रही है। अब ताजा मामले में खालिस्तानियों ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी पर निकाली और परेड में पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी को आपत्तिजनक रूप में दिखाया। बीती 6 जून, को कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तानियों ने पांच किलोमीटर लंबी परेड निकाली। इसमें एक झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या का सीन दिखाया गया। झांकी में इंदिरा गांधी को खून से सनी साड़ी पहने दिखाया गया है। उनके हाथ ऊपर हैं। दूसरी तरफ दो शख्स उनकी तरफ बंदूक ताने खड़े हैं। इसके पीछे लिखा है-बदला। कनाडा अपने को एक सभ्य देश होने का दावा करता है। पर वहां अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वाले खुल कर खेल कर रहे हैं। आप इंदिरा गांधी की कुछ नीतियों से असहमत हो सकते हैं, पर यह कोई भी भारतीय सहन नहीं करेगा कि उन्हें आपत्तिजनक तरीके से झांकी में पेश किया जाए। इस सारे घटनाक्रम से भारत स्तब्ध है। इस कट्टरपंथ की सार्वभौमिक तौर पर निंदा होनी चाहिए। पता नहीं क्यूं, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विदेशों में जाकर जहर उगलने वाले राहुल अपनी दादी के अपमान पर क्यों नहीं बोल रहे। कनाडा लंबे समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। वहां पर मंदिरों में भी तोड़फोड़ की जाती है। कनाडा का ब्रैम्पटन शहर तो भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। कनाडा में बार-बार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। जुलाई 2022 में कनाडा के रिचमंड हिल इलाके में एक विष्णु मंदिर में महात्मा गांधी की मूर्ति को खंडित कर दिया गया था। सितंबर 2022 में कनाडा में स्वामीनारायण मंदिर को कथित खालिस्तानी तत्वों ने भारत विरोधी भित्ति चित्रों के साथ विकृत कर दिया था। पर वहां की पुलिस की काहिली और निकम्मेपन के कारण दोषी पकड़ में नहीं आते। कौन भूल सकता है कनिष्क विमान हादसे को। मांट्रियाल से नई दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23 जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ते समय, 9,400 मीटर की ऊंचाई पर, बम से उड़ा दिया गया था और वह अटलांटिक महासागर में गिर गया था। इस आतंकी हमले में 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी जिम्मेदारी को निभाने में असफल रहे हैं। वे कथित किसानों के आंदोलन का समर्थन कर रहे थे। तब ट्रूडो कह रहे थे कि ₹कनाडा दुनिया में कहीं भी किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहेगा।₹ क्या कनाडा की खुफिया एजेंसिया इतनी घटिया हैं कि उन्हें पता ही नहीं है कि वहां पर खालिस्तानी सक्रिय हैं? उन्हें भारत-विरोधी तत्वों पर कठोर एक्शन लेना चाहिए। जस्टिन ट्रूडो 2018 में भारत यात्रा पर आए थे। वे अमृतसर से लेकर आगरा और मुंबई से लेकर अहमदाबाद का दौरा करने के बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो उन्हें कायदे से समझा दिया था कि ₹ भारतधर्म के नाम पर कट्टरता तथा अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता नहीं करेगा।₹ उनका इशारा कनाडा में खालिस्तानी तत्वों की नापाक भारत विरोधी गतिविधियों से था। कनाडा की लिबरल पार्टी की सरकार के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो कहने को तो एक उदार देश से हैं। उन्हें भी यह समझ लेना होगा कि भारत भी एक उदार और बहुलतावादी देश है। उनकी उस भारत यात्रा के समय तब तगड़ा हंगामा हो गया था, जब पता चला था कि नई दिल्ली में कनाडा हाई कमीशन ने अपने प्रधानमंत्री के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में कुख्यात खालिस्तानी आतंकी जसपाल अटवाल को आमंत्रण भेजा है। अटवाल पर कनाडा में वर्ष 1986 में एक निजी दौरे पर गए पंजाब के मंत्री मलकीत सिंह सिद्धू पर जानलेवा हमला करने का आरोप साबित हो चुका है। कनाडा सरकार की बेवकूफियों के कारण वहां पर खालिस्तानी सक्रिय हैं। ये भारत को फिर से खालिस्तान आंदोलन की आग में झोंकना चाहते हैं। आपको याद होगा कि कनाडा की ओंटारियो विधानसभा ने 2017 में 1984 के सिख विरोधी दंगों को सिख नरसंहार और सिखों का राज्य प्रायोजित कत्लेआम करार देने वालाएक प्रस्ताव भी पारित किया था।इस तरह की गतिविधियों से स्पष्ट है कि कनाडा में भारत के शत्रु बसे हुये हैं। ये खालिस्तानी समर्थक हैं। समझ नहीं आत कि कनाडा सरकार वहां पर खालिस्तानियों पर लगाम क्यों नहीं लगा पा रही है। भारत सरकार इसके चलते कनाडा सरकार से खासी नाराज भी है। भारत इंदिरा गांधी को झांकी में गलत तरीके से दिखाने पर नाराज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा को फटकार लगाते हुए कहा, मुझे लगता है कि ये मुद्दा दोनों देशों के संबंधों के लिए सही नहीं है और न ही ये कनाडा के लिए ही ठीक है। अब भारत कनाडा से इतनी तो उम्मीद करेगा ही कि वह खालिस्तानियों को कस दे।

चंदेरी दुर्ग और पराक्रम की कहानियां

लेखक
लोकेन्द्र सिंह

मध्य प्रदेश के जिला अशोकनगर में बेतवा (बेत्रवती) एवं (उर्वसी) नदियों के मध्य विंध्याचल की सुरम्य वादियों से घिरा ऐतिहासिक नगर चंदेरी और उसका दुर्ग (किला) हमारी धरोहर है। यह नगर महाभारत काल से लेकर बुंदेलों तक की विरासत को संभालकर रखे हुए है। यहां समृद्धि, सांस्कृतिक-धार्मिक विरासत, त्याग, प्रेम और शौर्य, समर्पण, वीरता एवं बलिदान की गाथाओं की अनुभूति होती है। यह छोटा-सा सुंदर शहर अपनी रेशमी साड़ियों (चंदेरी की साड़ियों) के लिए विश्व प्रसिद्ध है। चंदेरी उनको भी लुभाता है, जिन्हें कला और संस्कृति के रंग सुहाते हैं। यहां केवल किला ही प्राचीन स्थापत्य नहीं है बल्कि चंदेरी की गली-गली में ऐतिहासिक धरोहर बिखरी है। आज का चंदेरी, नये और पुराने रंगों के संयोजन से तैयार एक खूबसूरत तस्वीर की तरह नजर आता है। जैसे किसी बुनकर ने रेशम की साड़ी में जगह-जगह सोने के धागों से फुलकारी की हो। किले से ही तीन-चार ऊंची पहाड़ियां नजर आती हैं, जो एक समय में चंदेरी के निगरानी के केंद्र थे। चंदेरी के दर्शनीय स्थलों में त्रिकाल चौबीसी, बत्तीसी बावड़ी, कौशक महल, कटीघाटी, बादल महल, रामनगर महल, सिंहपुर महल, लक्ष्मण मंदिर, शक्तिपीठ जागेश्वरी देवी मंदिर, फुआरी के हनुमान मंदिर की सुंदरता, जामा मस्जिद और शहजादी का रोजा शामिल है। जैन अतिशय क्षेत्र खंदारगिरी और सकलकुड़ी जैसे धार्मिक महत्व के स्थान भी पर्यटकों के मन को शांति और ऊर्जा प्रदान करते हैं। उर्वशी नदी के किनारे गुफाओं में बने शैलचित्र भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। ये शैलचित्र इस बात के साक्षी हैं कि चंदेरी प्रागैतिहासक काल से एक जीवंत शहर है। यहां का संग्रहालय महत्वपूर्ण है। आज किले की चारदीवारी अवैध अतिक्रमण में गुम होती जा रही है। अतिक्रमणकारियों ने चंदेरी नगर के परकोटे पर कब्जा कर लिया है। कई स्थानों पर उसको तोड़कर पत्थर निकाल लिए हैं। चंदेरी का इतिहास महाभारत काल से जुड़ता है। चंदेरी, भगवान श्रीकृष्ण की बुआ श्रुति के पुत्र शिशुपाल की राजधानी थी। उस समय इसका उल्लेख चेदी राज्य के रूप में आता है। पांचवीं-छठवीं शताब्दी में जिन 16 जनपदों का उल्लेख मिलता है, उनमें सातवां महाजनपद चेदी था। वर्तमान चंदेरी शहर से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर जंगल में आज भी बूढ़ी चंदेरी में प्राचीन शहर के अवशेष बिखरे पड़े हैं। कालांतर में यह शहर काल के गाल में समा गया और नौवीं शताब्दी के बाद से वर्तमान चंदेरी अस्तित्व में आने लगा। चंदेरी के किले में लगे शिलालेख के अनुसार, चंदेरी में सांस्कृतिक गतिविधियां चंदेलों के समय (9वीं शताब्दी ई.) से प्रारंभ हो जाती हैं। वर्तमान चंदेरी नगर को 10वीं-11वीं शताब्दी में प्रतिहारवंशी राजा कीर्तिपाल ने बसाया और इसे अपनी राजधानी बनाया। इतिहासकार अलबरूनी एवं इब्नबतूता ने भी अपने लेखन में चंदेरी की समृद्धि एवं महत्व का वर्णन किया है।

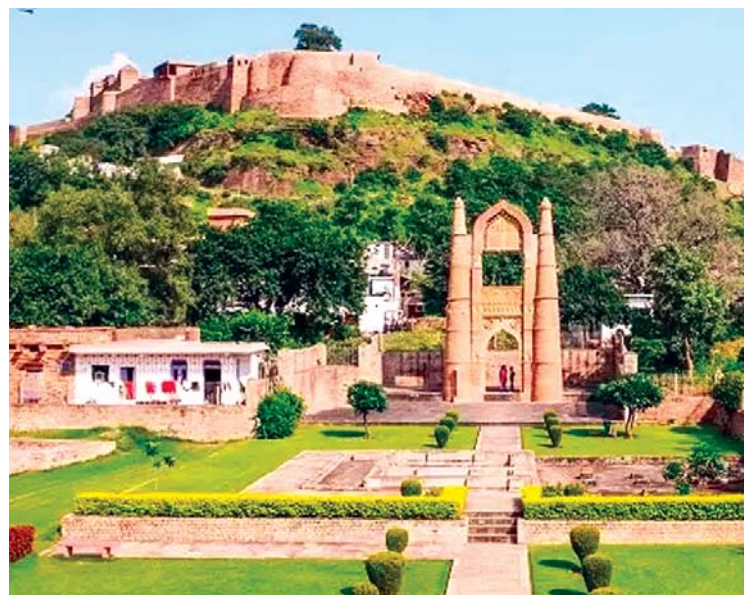

चंदेरी के शासक मेदनी राय और बाबर के बीच 29 जनवरी, 1528 को हुए भयानक युद्ध के बाद क्रूर आक्रांताओं से अपने स्वाभिमान की रक्षा करने के लिए रानी मणिमाला के साथ 1600 क्षत्राणियों ने किले पर जौहर किया था। उन महान वीरांगनों की स्मृति को अक्षुण्य रखने के लिए चंदेरी के किले पर जौहर स्मारक बनाया गया है। इसके समीप ही प्रसिद्ध संगीतज्ञ बैजू बावरा का समाधि स्थल भी है। चंदेरी, संगीत सम्राट बैजू बावरा की जन्मभूमि भी है। बैजू बावरा के जीवन से जुड़ी अनेक कहानियां यहां की हवा में तैरती हैं।

जौहर स्मारक के सामने ही किले के प्रमुख स्थापत्य ह्यकीर्ति महलह्ल का पृष्ठ भाग दिखायी पड़ता है। भविष्य में आप कीर्ति महल की विशाल दीवार पर ह्यप्रकाश एवं ध्वनि कार्यक्रमह्ल के माध्यम चंदेरी की कीर्तिगाथा सुन सकेंगे। प्रतिहारवंशी राजा कीर्तिपाल द्वारा बनाए गए कीर्ति महल को ह्यनौखंडा महलह्ल भी कहा जाता है। कीर्ति महल के सामने ही हवा महल या हवापौर है, जहां से चंदेरी नगर के नयनाभिराम दृश्य देख सकते हैं। इस स्थान से किले की तलहटी में स्थित बादल महल, बादल दरवाजा, जामा मस्जिद, ऊंट सराय जैसे पर्यटकों की रुचि के स्थान दिखायी देते हैं। चंदेरी के मुख्य किले में प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं हैं। परंतु बादल महल में जाने के लिए आपको 20 रुपये का टिकट लेना होता है। चंदेरी में वैसे तो अनेक मंदिर हैं, परंतु लक्ष्मण मंदिर विशेष है। इस मंदिर में शेषनाग के रूप में लक्ष्मणजी की प्रतिमा है। मंदिर के पास बुंदेला राजाओं की छतरियां भी हैं। परमेश्वरा तालाब में लक्ष्मण मंदिर का प्रतिबिम्ब देखते बनता है। चंदेरी पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन ललितपुर है। यहां से चंदेरी से लगभग 40 किलोमीटर दूर है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राज्यसभा सांसद पाटीदार ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

फतवा समाचार◈ धार

मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश संगठन केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का बूथ स्तर तक प्रचार प्रसार हो इस उद्देश्य को लेकर संम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है इसी अभियान के तहत सरदारपुर विधानसभा मे भाजपा के वरिष्ठ भाजपा कार्यकताओं के साथ परिचर्चा कर सम्मलेन आयोजित किया गया जिसमे वरिष्ठ कार्यकर्ताओ द्वारा सभी के साथ टिफिन भोजन का भी आंनद लिया गया। सम्मलेन में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने सरदारपुर विधानसभा के राजगढ़ उदय पैलेस गार्डन मे वरिष्ठ कार्यकर्ताओ के साथ परिचर्चा कर कार्यक्रम को सम्बोधित किया। राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने बैठक

को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सेवा करने के लिए सेवक बने । हमने कांग्रेस की 18 महीने वाली सरकार भी देखी है जिसमें भाजपा सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया था। भाजपा सरकार में अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति का भी योजना के माध्यम से लाभ प्राप्त हुआ है। मोदी जी को देश विदेश में जो सम्मान मिल रहा है वह देश के प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान है। मोदी सरकार ने देश को आत्मनिर्भर बनाया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विगत दिनों प्रदेश में अत्यंत महत्वपूर्ण लाडली बहना योजना लागू की है जिसका सभी बहनों की ओर से धन्यवाद देती हूं। वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मलेन में पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया, विधानसभा संयोजक राजेंद्र गर्ग, कार्यक्रम प्रभारी राजेश जोशी ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय बघेल , जिला उपाध्यक्ष नवीन वानिय, जनभागीदारी अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडलोई ,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पप्पू गामड़, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुनील गामड़, मण्डल अध्यक्ष मदन , मण्डल अध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी, मण्डल अध्यक्ष गिरधारी चौधरी ,मदन चोयल,जिला मंत्री मुकेश केवलजी, जमाना भूरिया,पूर्व विधायक मुकाम सिंह निगवाल, भगवान भाई पाटीदार ,सुरेश तातेड़ ,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पतंजलि द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा

फतवा समाचार◈ धार

पतंजलि योगपीठ जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन अनिल प्लाजा पतंजलि आरोग्य केंद्र धार पर भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी एवं युवा भारत राज्य सहप्रभारी विक्रम डूडी की अध्यक्षता में तथा पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रामभरोसे वर्मा के मुख्य आतिथ्य में, पतंजलि महिला योग समिति जिला प्रभारी श्रीमती आरती यादव के विशेष आतिथ्य मे , युवा भारत जिला सह प्रभारी प्रमोद पाटिल,भारत स्वाभिमान सह जिला प्रभारी पंकज जैन, श्रीमती आशा कटारिया, विकास डूडी,पवन जाट,गौरव जाट ,सहित सदस्यों की गरिमा मय उपस्थिति में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2023का अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस धार जिले में धूमधाम से मनाया जावेगा। तैयारी हेतु जगह जगह योग शिविरों का आयोजन

किया जारहा है।धार नगर में जन जागरण हेतु अठ्ठारह जून को प्रातः योग शिविर के साथ वाहन रैली निकाल कर अधिक से अधिक लोगों को योग दिवस पर सम्मिलित होने के लिए अनुग्रह किया जावेगा। जिला प्रशासन के साथ में पतंजलि योगपीठ योग प्रशिक्षकों द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार योगासन प्राणायाम का अभ्यास कराया जावेगा।यह जानकारी मिडिया प्रभारी मिलिन्द पांडर ने दी।

वार्ड नंबर 1 में पीने के पानी की भारी परेशानी होने से अनु विभाग अधिकारी को दिया गया ज्ञापन

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़

टीकमगढ़ जिले की नगर पंचायत जतारा में वार्ड क्रमांक एक में लगभग 3: बस पूर्व पीने के पानी की पाइप लाइन खोदी गई थी लेकिन 3 वर्ष बीत जाने पर भी आज दिनांक तक पानी की पाइप लाइन सही तरीके से चालू नहीं हुई है बूंद बूंद पानी आ रहा है और आवेदक गढ़ बिल बराबर दे रहे हैं जिससे आवेदक गढ़ पीने की पानी की परेशानी को लेकर नगर परिषद जतारा सीएमओ को आवेदन भी दिया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई तथा 181 पर कॉल लगाने पर नगर परिषद जतारा के कर्मचारियों द्वारा डरा धमका कर शिकायत कटवा देती हैं इसको लेकर वार्ड क्रमांक 1 मैं पानी की बहुत बड़ी किल्लत हो रही है महिलाओं एवं पुरुषों में आगोश है(

हमारे वार्ड क्रमांक एक में ३ साल से पानी की बहुत कमी है इसके बारे में हमने नगर परिषद जतारा सीएमओ कई बार आवेदन दे चुके हैं लेकिन इस पर कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है।
- सूर्या, वार्ड क्रमांक 1 पार्षद

बड़वानी से गुजरात के स्टेच्यु ऑफ यूनिटी तक क्रूज से सफर

शुरू होगा नर्मदा रिवर पर टूरिज्म

फतवा समाचार◈ बड़वानी

यदि आप मालवा के बड़वानी क्षेत्र में रहते है या उस इलाके से आप गुजरात स्टेच्यु ऑफ यूनिटी पहुंचना चाहते हैं, तो आप क्रूज से सफर करते हुए वहां पहुंच सकते हैं। बहुत जल्द एमपी गुजरात के जल मार्ग से जुड़ जाएगा। जहां आपको नर्मदा की लहरों में क्रूज चलता दिखाई देगा। इससे पहले एमपी के जबलपुर बरगी से नर्मदा पर कुछ दूरी तक क्रूज का संचालन हो रहा हैं। वहीं खंडवा का हनुवंतिया टापू नर्मदा के पर्यटन में चार चांद लगाए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने अब एक कदम और बढ़ाया है और नर्मदा नदी के जल मार्ग के जरिए पर्यटक सीधे गुजरात पहुंच सकते है।

इस सिलसिले में सरकार ने भी पूरा प्लान तैयार कर लिया हैं। दोनों राज्यों के बीच जल मार्ग पर क्रूज संचालन के तकनीकी पहलुओं को परखने का काम चल रहा हैं। इसके अलावा क्रूज संचालन करने वाली कंपनी समेत यात्रा के दौरान पर्यटकों को मुहैया होने वाली सुविधाओं का खाका भी तैयार हो रहा हैं। सीएम हाउस में पर्यटन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला और भारतीय अंतदेर्शीय जल मार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों की मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

ने बैठक भी ली। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए रिवर क्रूज टूरिज्म का भी उपयो किया जाएगा। इससे पर्यटक नर्मदा नदी के आस-पास उपलब्ध प्राकृतिक सौन्दर्य और जैव-विविधता से रू-ब-रू हो सकेंगे। सीएम शिवराज ने कहा कि बड़वानी से गुजरात के स्टेच्यु ऑफ यूनिटी तक क्रूज 135 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। बरगी से मंडला तक भी क्रूज का संचालन आरंभ होगा। मप्र पर्यटन विभाग ने इससे पहले तीर्थ दर्शन योजना की तर्ज पर नर्मदा परिक्रमा की अभिनव पहल शुरू की हैं। जिसकी शुरूआत जबलपुर से अक्तूबर 2022 में हुई थी। पर्यटन और अध्यात्म के विजन के साथ परिक्रमवासियों को अपनी यात्रा का अलग अहसास हो रहा हैं।

राज्यों में फैले पैंगोलिन तस्कर गिरोह में शामिल 15 दोषियों को 3-3 साल का कारावास

फतवा समाचार◈ सिवनी

जिला अदालत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आठ साल पुराने पैंगोलिन तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह में शामिल 15 लोगों को 3-3 साल सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है।8 जून को दिए निर्णय में अदालत ने सभी दोषियों पर दस-दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। गिरोह में शामिल 9 आरोपित अब भी प्रकरण में फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी होना बाकी है। सहायक अभियोजन अधिकारी प्रदीप कुमार भौरे ने बताया कि पेंच टाइगर रिजर्व के खवासा (बफर) वन परिक्षेत्र अधिकारी व कर्मचारियों ने 19 मई 2015 की रात जीरेवाड़ा गांव निवासी गंगाप्रसाद पुत्र इटिया (43) को शिकार किए गए पैंगोलिन के मांस व 800 ग्राम सीपी (शल?क) के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपित से पूछताछ में वन विभाग को पैंगोलिन सीपी तस्करी करने वाले गिरोह का पता चला। मप्र वन विभाग के विशेष दस्ते (एसटीएफ) ने प्रकरण में गहनता से पूछताछ के बाद कई राज्यों से पैंगोलिन तस्करों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि पैंगोलिन सीपी वे दूसरे राज्यों के तस्करों को 8 हजार रुपये प्रति किलो की दर पर बेचते थे। सहायक अभियोजन अधिकारी भौरे ने बताया कि गिरोह में शामिल अन्य 9 आरोपित अभी भी वन विभाग की गिरफ्त से बाहर हैं, जिन्हें गिरफ्तार करने की भरपूर कोशिश की गई, लेकिन वे अब तक वन अमले की पकड़ में नहीं आए हैं। प्रकरण में विवेचना के बाद अभियोग पत्र (चालान) जिला अदालत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तेज प्रताप सिंह की न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक अभियोजन अधिकारी प्रदीप कुमार भौरे द्वारा पैरवी की गई। न्यायालय ने प्रस्तुत सबूतों के आधार पर गिरफ्तार सभी 15 आरोपितों को 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 10-10 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

इन तस्करों को हुई सजा : गंगाप्रसाद पुत्र इटिया (43) जीरेवाडा. थाना कुरई जिला सिवनी, मेहतर पुत्र धनसिंग (63) बीसापुर थाना कुरई जिला सिवनी, कैलाश पुत्र रामुखी मडावी (47) गायमुख थाना अंघड़गांव जिला भंडारा (महाराष्ट्र), प्रकाश पुत्र योगराज मडावी (43) महाजनटोला देवलापार जिला नागपुर (महाराष्ट्र), रूपचंद पुत्र कनकू गंजाम (48) नयेगांव कमकासुर थाना अंघरगांव जिला भंडारा (महाराष्ट्र), रामकुमार पुत्र मेहतर (50) नयेगांव थाना कुरई जिला सिवनी, देवाजी पुत्र आत?माराज उइके (43) ग्राम उमरपायली जिला गोंदिया (महाराष्ट्र), जयसिंग पुत्र आत?माराम उइके (38) उमरपायली जिला गोंदिया (महाराष्ट्र), शमसूद्दीन उर्फ श?यामुखान पुत्र मोहर्रम खान (73) उमरपायली जिला गोंदिया (महाराष्ट्र), कुर्बान अली पुत्र मियामत अली (44) आसका रोड सोमनाथ नगर जिला ब्रम्हपुत्र (ओडि?सा), अमुल?यामंडल पुत्र अम्रत मंडल (35) कुच?छविहार (बंगाल), मालकराम पुत्र भैयालाल (51) धनौली जिली सिवनी, अब?दूल मुस?ताक पुत्र अब्दूल रज्जाक (53) लांजी जिला बालाघाट (म.प्र.), आमिर पुत्र जिलानी मियां (44) दक्षिण मानपूट जिला कसर (असोम), राजकुमार पुत्र मेहाराज (60) जिला सिलचर (असोम) शामिल हैं।

ओरछा में 176 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य रामराजा लोक

फतवा समाचार◈ ओरछा

पर्यटन नगरी में रामराजा लोक निर्माण को लेकर गुरुवार को कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा एवं दिल्ली व भोपाल से आए आर्किटेक्ट और रामराजा लोक निर्माण से जुड़े अधिकारियों, विधायक अनिल जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की एक बैठक एक होटल में हुई। इस दौरान अधिकारियों ने रामराजा लोक के निर्माण के संबंध में स्थानीय लोगों के साथ विचार विमर्श किया तथा रामराजा लोक के नक्शे को दिखा कर स्थानीय लोगों की सहमति के साथ रामराजा लोक निर्माण को आगे बढ़ाए जाने की बात रखी गई।

बैठक में कंजर्वेशन आर्किटेक्ट दिल्ली संगीता वैश्य एवं नितिन माली ने बताया की रामराजा लोक निर्माण के प्रथम चरण का कार्य रामराजा मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्र को मिलाकर लगभग पांच एकड़ भूमि में किया जाएगा। जिसमें सबसे पहले रामराजा मंदिर प्रांगण, मछली भवन के पास बनी दुकानों को विस्थापित कर पुरानी टकसाल चतुर्भुज मंदिर के पास नई दुकानों का निर्माण कर स्विफ्ट किया जाएगा। जिससे स्थानीय लोगों की रोजी रोटी और व्यवसाय प्रभावित न हो। इसके साथ ही फूल बाग, मंदिर धर्मशाला, पाताली हनुमान मंदिर, जानकी मंदिर मछली दरवाजा, राजाशाही टकसाल आसपास पुरानी बुंदेली स्थापत्य कला अनुरूप निर्माण कर राम लोक बनाया जाएगा। जिसमें श्रीराम जी के जन्म से लेकर रावण विजय कर राज्याभिषेक के वातावरण को तैयार कर वर्ल्ड हेरिटेज के साथ धार्मिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य कराया जाएगा। अंदर खाने से मिली जानकारी के अनुसार पर्यटन नगरी ओरछा में श्रीराम राजा लोक का निर्माण तीन चरणों में होना जाना है, जिसके लिए लगभग 15 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। अभी प्रथम चरण में 176 करोड़ की लागत से राम राजा लोक के प्रथम चरण का कार्य किया जाएगा।धार्मिक नगरी ओरछा में महाकाल लोक की तर्ज पर बनने वाले श्रीरामराजा लोक की कार्ययोजना को दिल्ली एवं इंदौर के आर्केटेक्ट की टीम ने स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों के सामने प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रजेंटेशन किया, जिसमें स्थानीय लोगों से सुझाव भी मांगे गए।

गंगोत्री से बागेश्वर धाम तक भजन गायिका की पदयात्रा ने फिर छेड़ा पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विवाह का प्रसंग

फतवा समाचार◈ सिवनी

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से नाम जुड़ते ही भजन गायिका शिवरंजनी तिवारी अपनी जल कलश यात्रा को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। उत्तराखंड गंगोत्री से गंगा जल कलश सिर पर धारण कर पद यात्रा करते हुए बागेश्वर धाम रवाना हुई एमबीबीएस छात्रा व भजन गायिका शिवरंजनी तिवारी का कहना है कि इसका उद्देश्य यात्रा पूरी होने पर बागेश्वर धाम में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सामने 16 जून को बताया जाएगा। इसी बीच उनकी यात्रा को लेकर इंटरनेट मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से कथित विवाह की कामना लेकर एमबीबीएस छात्रा शिवरंजनी तिवारी ने पदयात्रा निकाली है।

25 सालों से परिवार रह रहा है हरिद्वार में

एमबीबीएस छात्रा व भजन गायिका शिवरंजनी तिवारी के पिता प. बैजनाथ तिवारी ने नईदुनिया से मोबाइल पर चर्चा करते हुए बताया कि उनका परिवार मध्यप्रदेश के सिवनी में जन्मे ब्रह्मलीन जगदगुरुस्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज से जुड़ा हुआ है। उनका पैतृक निवास स्थान सिवनी का चंदौरीकला (दिघौरी) गांव है। सिवनी में वर्तमान भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक दुबे रिश्ते में उनके भांजे हैं। पिछले 25 सालों से परिवार के साथ वे हरिद्वार में निवासरत हैं।

मां अमेरिका के सेंट फ्रांसिस में करती हैं नौकरी

पं. बैजनाथ तिवारी ने बताया कि नागपुर के बीआर इंस्टीट्यूट से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। उन्होंने पांच साल पहले प्रसिद्ध बाइक कंपनी के महाप्रबंधक पद से इस्तीफा दे दिया था। अब वह बेटी शिवरंजनी तिवारी के निज सहायक के रूप में भजन कार्यक्रमों के आयोजन में सहायता करते हैं। शिवरंजनी की माता कैंसर दवाओं की विशेषज्ञ हैं, जो वर्तमान में अमेरिका के सेंट फ्रासिंस की स्थित निजी कंपनी में विभाग प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं।

जल कलश यात्रा का आज 37वां दिन

बैजनाथ तिवारी ने बेटी शिवरंजनी तिवारी की यात्रा के संबंध में बताया कि हरिद्वार गंगोत्री से यह यात्रा 1 मई को प्रारंभ की गई है, जिसका आज 37वां दिन हैं। भीषण गर्मी के बावजूद 30 से 40 किलोमीटर की प्रतिदिन पैदल यात्रा करते हुए अपनी मनोकामना का जल कलश लेकर शिवरंजनी के साथ चल रहे संत-महंत व अन्य सभी 6 जून को चित्रकूट धाम पहुंचे हैं। 16 जून को यात्रा बागेश्वर धाम पहुंचेंगी, जहां शिवरंजनी तिवारी की यात्रा का उद्देश्य सबके सामने आएगा। उन्होंने बताया कि यात्रा के संबंध में जितनी भी बातें सामने आ रही हैं, उनके बारे में भजन गायिका शिवरंजनी तिवारी ने अपना वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि 16 जून तक का इंतजार करिए, सारे रहस्य सभी लोगों के सामने आ जाएंगे। गुरुदेव के आदेश पर हम गंगोत्री से बागेश्वर धाम के लिए निकले हैं। अपनी कामना बालाजी के सामने रख दी है। बागेश्वर धाम में इसके बारे में बताएंगे।

अध्यात्म के प्रति बचपन से लगाव

शिवरंजनी तिवारी का कहना है कि अध्यात्म के प्रति उनका बचपन से लगाव है और चार साल की उम्र से वह भजन गा रही हैं। अभी वह एमबीबीएस कर रही है। साल 2021 से वे बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को फालो कर रही हैं। कथा सुनकर मैं पहली बार में ही मंत्रमुग्ध हो गई थी। मैं भी भागवत कथा कहती हूं। उन्होंने कहा कि उनकी तीन बड़ी घोषणाएं हमें प्रभावित करती हैं। उनमें एक कैंसर अस्पताल की घोषणा है। किसी भी डाक्टर के लिए इससे बड़ी खुशी नहीं होगी।

रिश्वत लेते पकड़े गए जीएसटी अफसरों पर रातभर कार्रवाई के बाद कोर्ट में किया पेश

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

सीबीआइ टीम सभी आरोपित अधिकारियों तड़के सुबह तीन बजे गिरफ्तार कर अपने साथ सीबीआइ कार्यालय ले गई

रिश्वत में मिले सात लाख रुपये के साथ सेंट्रल जीएसटी के अधीक्षक कपिल कांबले समेत चार अफसरों को सीबीआइ ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई मंगलवार शाम से शुरू हुई और करीब दस घंटे बाद बुधवार की सुबह तीन बजे तक चली। सीबीआइ टीम सभी आरोपित जीएसटी अधिकारी कपिल कांबले, इंस्पेक्टर विकास गुप्ता, सौमेन गोस्वामी, प्रदीप हजारी को तड़के सुबह तीन बजे गिरफ्तार कर अपने साथ सीबीआइ कार्यालय ले गई है। जिस समय सीबीआई जीएसटी अधिकारी कपिल और उनके इंस्पेक्टर को गिरफ्तार करके ले जा रही थी, उस समय सभी लोग अपना-अपना चेहरा छिपा रहें थे। इनके घरों में भघी छापामारी की गई जहां से सीबीआइ को लाखो रुपये नकद मिले हैं। आज दोपहर आरोपितों को रिमांड में लेने के लिए सीबीआइ ने तीनों आरोपितों को विशेष अदालत में पेश करने पहुंची।

हो सकते हैं कई अहम खुलासे: जानकारी के मुताबिक सीबीआई की पूछताछ में और भी कई अहम खुलासे हो सकते है। इसके साथ ही माना जा रहा है। इस कार्रवाही के बाद कई और व्यापारी अपनी शिकायत लेकर सामने आ सकते है। सीबीआइ द्वारा पकड़ा गया बड़ा रिश्वत कांड आज भी चर्चा में हैं और इसे लेकर सभी विभागों में हड़ंप की स्थिति है। जानकारी अनुसार इस रिश्वत कांड के बाद विभाग से जुड़े अन्य रिश्वतको? अधिकारी परेशान हैं कि कहीं उनतक भी कार्रवाई की आंच न पहुंच जाए।

यह है मामला: घटना के संबंध में मूलतः राजस्थान निवासी त्रिलोक चंद्र सेन ने बताया कि नोहटा दमोह में वे पान मसाला फैक्ट्री संचालित करते हैं। फैक्ट्री का टैक्स बकाया था जिसके चलते जीएसटी अधिकारियों ने उस पर ताला लगा दिया था। बीते 19 मई को जीएसटी ने छापामार कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री पर ताला लगाया था। जिसके बाद फैक्ट्री खोलने के लिए सेंट्रल जीएसटी के डिप्टी सुपरिटेंडेंट कपिल कामले द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। त्रिलोक ने बताया कि इस बीच उसने फैक्ट्री से संबंधित जीएसटी भी जमा कर दी। परंतु एक करोड़ रुपये रिश्वत की मांग बनी रही। वह एक करोड़ रुपये देने में असमर्थ था। उसने कपिल कांबले को बताया कि फैक्ट्री घाटे में चल रही है जिसके बाद 35 लाख रुपये रिश्वत में फैक्ट्री का ताला खोलने का सौदा तय हुआ। एक सप्ताह पूर्व उसने रिश्वत की पहली किश्त के 25 लाख रुपये कपिल कामले को दिए थे। जिसके बाद उसने फैक्ट्री खोलने का आग्रह किया। उसने यह भी बताया कि जीएसटी जमा कर दी गई है। परंतु रिश्वत के शेष 10 लाख रुपये मिलने तक कपिल कामले ने फैक्ट्री का ताला खोलने से इंकार कर दिया। जिसके बाद उसने सीबीआइ से शिकायत की। योजना के अनुसार वह रिश्वत के सात लाख रुपये लेकर सेंट्रल जीएसटी कार्यालय पहुंचा। कपिल कामले ने रिश्वत की रकम ली और सहयोगियों के साथ रिश्वत के नोट गिनने लगा। तभी सीबीआइ के अधिकारियों ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया।

रिश्वत की रकम भी गिनते थे: शिकायतकर्ता त्रिलोक चंद्र सेन ने बताया कि उसने फैक्ट्री के मैनेजर भागीरथ प्रसाद और गिरीराज विजय के हाथ अंतिम किश्त के सात लाख रुपये थैले में लेकर सेंट्रल जीएसटी आफिस भेजा। त्रिलोक ने इस मामले में पहले ही सीबीआइ को शिकायत दी थी जिसके बाद सीबीआई की टीम भी पीछे से दफ्तर पहुंच गई। उस वक्त अधिकारी रिश्वत की रकम को गिनती कर रहे थे। बता दे कि इससे पहले भी जब 25 लाख रुपये दिए गए थे उस वक्त एक-दो नोट गिनती में अधिकारियों को कम मिले थे जिसके बाद एक-एक नोट की गड्डी को अधिकारियों ने गिना था। त्रिलोक ने कहा कि उन्होंने वाट्सअप पर जो अधिकारियों के साथ पैसे के लेनदेन का संवाद किया था उसकी रिकार्डिंग भी सीबीआइ को सौंपी है। जिसमें अधिकारी से रिश्वत लेकर फैक्ट्री को खोलने का आदेश जारी करने की बात कही गई है। त्रिलोक सेन ने कहा कि रिश्वत की रकम कपिल कावले और उसकी टीम के 11 सदस्यों ने साथ में ली। सीबीआई ने सर्चिंग के दौरान विकास गुप्ता के घर गढ़ा स्थित घर से 18 लाख 29 हजार 500 रुपये , प्रदीप हजारे के अधारताल, झंडा चौक के घर से 40 लाख 99 हजार 500 रुपये, कपिल कांबले के घर से 30 लाख रुपये रुपये जब्त किए है। जबकि आफिस में प्रदीप हजारे के पास से 14 लाख 99 हजार 600, दूसरे कैबिन से 18 लाख 8 हजार 200, वीरेंद्र जैन के राइट टाउन के घर से 260 लाख, विकास कुमार के पास से 1.50 लाख रुपये मिलें है।

मछुआरे के मुह से छीना जा रहा निवाला

दुर्गेश बर्मन ◈ डिंडोरी

बिलगांव जलाशय में मंडला के ठेकेदार द्वारा करवाया जा रहा मत्स्य खेट, स्थानीय मछुवारों पर छाया बेरोजगारी का संकट

मामला डिंडोरी जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत बिलगांव जलाशय बिलगढा बांध की है शासन द्वारा बांध का पट्टा स्थानीय समिति को दिया गया है तो वहीं समिति के अध्यक्ष व मछली ठेकेदार रवि सिंधिया मंडला के साठ गाठ से बाहर के मछुवारों को बुलाकर मछली मरवाई जा रही है जिस पर स्थानीय मछुवारों के द्वारा आपत्ति जताते हुए विरोध किया गया तथा इसकी सूचना शहपुरा थाना में दिया गया है। मछली ठेकेदार का कहना है कि हमे समिति के अध्यक्ष प्रताप सिंह व पंचम सिंह के द्वारा मछली पकड़ने के लिए बुलाया गया है। ठेकेदार द्वारा यह भी बताया गया कि एक महीने पहले भी हम यहां इनके के बुलाने पर मछली पकड़ने आए थे जिसके लिए हमने 51 हजार रुपए अध्यक्ष को दिया है। वहीं स्थानीय मछुवारों का कहना है कि हम समिति के सदस्य है हम बैंक से ऋण लेकर जाल फांद खरीदे हैं और यहां बाहरी लोग मछली पकड़ेंगे तो हम कहां जाएंगे और ऋण कैसे चुकाएंगे व अपने व अपने परिवार का पेट कैसे पालेंगे।

वहीं प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान का स्पष्ट निर्देश है कि विचौलीय और ठेकेदारों से तालाब जलाशयों को मुक्त कराकर बास्तविक मछुवारों को दिया जाता जाए परंतु सहायक संचालक मत्स्य उद्योग डिंडोरी द्वारा ऐसे विचौलीय और ठेकेदारों पर कोई कार्यवाही न करते हुए उन्हें बचाने का कार्य किया जा रहा है तभी तो जिले में बाहर से आकर ठेकेदारों ने डेरा जमाया है।

आनंद विभाग की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट के मिलिंद को मिला दूसरा स्थान

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग, आनंद संस्थान की ओर से जनवरी में आयोजित फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी प्रतियोगिता के परिणाम आ गए हैं। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के गढ़ी क्षेत्र के कुकर्रा जनपद के मिलिंद पिता दोहाराम पिवहरे ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जनवरी में हुई आनलाइन प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 52 जिलों से 1521 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में कोई भी आम पुरुष व महिला, जो फोटोग्राफी अथवा वीडियोग्राफी का शौक रखते हैं, हिस्सा ले सकते थे। प्रतियोगिता में सरकारी विभाग के कर्मचारियों सहित निजी कंपनियों में काम करने वाले कर्मियों ने भी हिस्सा लिया था। दूसरा पुरस्कार जीतने वाले मिलिंद वर्तमान में जनपद पंचायत कुकर्रा (गढ़ी) में रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत हैं, जो फोटोग्राफी का शौक रखते हैं।

आनंद उत्सव के दौरान ग्राम कुकर्रा में कबड्डी प्रतियोगिता में मिलिंद ने महिलाओं की कबड्डी प्रतियोगिता के एक मुकाबला में खिलाड़ियों के बीच दांवपेच को अपने कैमरे में कैद किया। मिलिंद ने इस फोटो के अलावा चार अन्य विषयों पर खींची गई तस्वीर प्रतियोगिता में भेजी थी। निर्णायक मंडल ने कबड्डी खेलतीं महिलाओं की तस्वीर को श्रेष्ठ मानते हुए दूसरे पुरस्कार से पुरस्कृत किया है।

जनसुनवाई में आए 58 आवेदकों ने अधिकारियों को सुनाई समस्याएं

दुर्गेश बर्मन ◈ डिंडोरी

कलेक्टर विकास मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आवेदको की समस्याएं सुनी, उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त 58 आवेदन पत्रों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को आवेदकों की समस्याओं का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम भैंसलगान निवासी श्रीमती ममता व्यौहार ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर पीएम/सीएम किसान सम्मान निधि योजना में रजिस्टेज्शन कराने की मांग की है। कलेक्टर मिश्रा ने एसडीएम डिंडौरी को उक्त प्रकरण का निराकरण नियमानुसार करने के निर्देश दिए हैं। ग्राम पंचायत जल्दा मुढिया निवासी श्रीमती श्यामा बाई ने समग्र परिवार आईडी से नाम जोड़ने की मांग की है। जिस पर खाद्य विभाग के अधिकारियों को श्यामा बाई का नाम समग्र परिवार आईडी में जोडने के निर्देश दिये गए हैं।

जनसुनवाई के दौरान डिपो मोहल्ला ग्राम धनगांव के निवासियों ने पेयजल की समस्या बताई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को धनगांव के डिपो मोहल्ला की पेयजल समस्या का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार से जनसुनवाई में आवेदकों के द्वारा विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये गए। जिसमें मुख्य रूप से मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमि संबंधी विवाद, विद्युत संबंधी समस्या, खाद्यान्न की मांग सहित विभिन्न समस्याओं के आवेदन पत्र प्रस्तुत किये गए हैं। सभी आवेदन पत्रों पर प्राथमिकता से कार्यवाही करते हुए मांगों एवं समस्याओं का निराकरण किया गया है। अन्य आवेदनों पर सुनवाई की जाकर संबंधित अधकारियों को प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती निशा नापित सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मेरा और मेरे गुरुभाई संजय पाठक का संकल्प एक ही दिशा में बालाजी की कृपा से दोनों होंगे पूर्ण : पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

फतवा समाचार ◈ कटनी

हरिहर तीर्थ धाम पहुँचे बागेश्वर धाम सरकार, दर्शन के लिए उमड़ा जन सैलाब

मेरा संकल्प है देश को सनातन संस्कृति के अनुरूप हिन्दू राष्ट्र की कल्पना, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं कि हम किसी धर्म का अपमान कर रहे लेकिन हमें अपनी सनातनी संस्कृति के अनुसार कार्य करने एक सर्वसमाज समभाव वाले हिन्दू राष्ट्र की कल्पना को साकार करने का संकल्प लेना होगा। मेरे गुरुभाई संजय सत्येंद्र पाठक ने आज हरिहर तीर्थ के संकल्प का भूमि पूजन कर हम दोनों के संकल्प को एक दिशा में शामिल किया। बालाजी की कृपा होगी हम दोनों का यह संकल्प पूरा होगा। यह विचार बाघेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कल हरिहर तीर्थ भूमि पूजन स्थल पर लाखों श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन देते व्यक्त किये। पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के दर्शन के लिए यहां जन सैलाब उमड़ पड़ा। विजयराघवगढ़ के ग्राम बंजारी में हरिहर तीर्थ धाम में भूमि पूजन के लिए सीएम शिवराज सिंह चैहान सहित जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी, स्वामी श्री अवधेशानंद जी के साथ साथ प्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे सहित कई गणमान्यजन सहभागी बने तो वहीं बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी हरिहर तीर्थ पहुंचे और प्रधान सेवक संजय सत्येंद्र पाठक के संकल्प व परिकल्पना की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि बालाजी सरकार की कृपा संजय पाठक पर बरस रही है जिसके कारण उन्हें यह पुनीत कार्य करने की प्रेरणा मिली। बाघेश्वर धाम सरकार ने पहुंचकर यहां सर्वप्रथम अपने गुरू स्वामी रामनंदाचार्य जगतगुरू रामभद्राचार्य के दर्शन उनकी सेवा की आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत सनातन सत्य की आभा जगाने वाले विशाल दिव्य मंच पर अपार जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भेदभाव छोड़ कर सभी को धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरिहर तीर्थ धाम के निर्माण के बाद विजयराघवगढ़ की धरा ही नहीं बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश राम मय हो जाएगा। यहां चारों धाम के दर्शन हर व्यक्ति को मिल सकेंगे। माता सबरी माँ, देवी अहिल्या, निषादराज जैसे भक्तों के मंदिर हमें सर्वसमाज समभाव के लिए प्रेरणा देंगें तो वहीं रोजगार के नए आयाम भी खुलेंगे। प. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि महानदी और कटनी नदी के संगम तट पर हरिहर तीर्थ के स्थापित होने से यहां की धरा पवित्र हो रही है। सिया राम मय सब जग जानी, करहुं प्रणाम जोरि जुग पानी चौपाई के साथ ही उन्होंने जनता जनार्दन को प्रणाम किया। वहीं विधायक संजय सत्येंद्र पाठक को उन्होंने आशीष प्रदान किया और उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं देने के साथ ही कहा कि आने वाले समय में वे हरिहर तीर्थ में रामकथा करेंगे और दिव्य दरबार भी लगांएगे। उन्होंने कहा कि जनजन इस शुभ कार्य मे सहभागिता निभाएं यह ईश्वरीय कार्य है जिसका ईश्वर तुल्य गुरुदेव शुरूआत कर रहे हैं। यह आप सबके लिए धन्यभाग जैसा है।

बाघेश्वरधाम के पीठाधीश्वर ने कहा राममय होगी मध्यप्रदेश की पावन धरा

प्रस्तावित हरिहर तीर्थ पहुंचे श्री श्री रविशंकर, कहा ज्ञान, ध्यान, दान तीनों जीवन मे जरूरी,संजय ने लिया ऐतिहासिक संकल्प

फतवा समाचार ◈ कटनी

प्रस्तावित हरिहर तीर्थ विजयराघवगढ़ पहुंचे श्री श्री रविशंकर ने पत्रकारों से बात करते कहा कि ज्ञान, ध्यान, दान तीनों जीवन मे जरूरी इन तीनों के संगम का ऐतिहासिक संकल्प संजय पाठक ने लिया वह ऐतिहासिक है संजय जी का नाम इतिहास में दर्ज होगा। श्री रवि शंकर सामान्यतः श्री श्री रविशंकर के रूप में जाने जाते हैं, विश्व स्तर पर एक आध्यात्मिक मानवतावादी धर्मगुरु हैं। उनके लाखों भक्त उन्हें आदर से प्रायः श्री श्री के नाम से पुकारते हैं। वे आर्ट ऑफ लिविंग फाउण्डेशन के संस्थापक हैं। श्री रविशंकर ने कहा कि जहां पर दो नदियों का संगम होता है उस स्थान पर धर्म ज्ञान कर्म आदि की हमारे सनातन में परम्परा रही है। निश्चित ही यह हरिहर तीर्थ भी प्रयागराज जैसा पवित्र स्थल बनेगा। उन्होंने कहा कि परशुराम जी की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापना से लेकर द्वादस ज्योतिर्लिंग सहित जिन जिन धार्मिक स्थल की कल्पना का संकल्प संजय पाठक ने लिया वह अनुकरणीय है।

लगभग 19 लाख की लागत से बहुरेंगे शहर के सबसे व्यस्ततम मार्ग सुभाष चौक से रेलवे स्टेशन तक

महापौर प्रीति संजीव सूरी ने अपने शहर विकास में शामिल संकल्प को पूरा कर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक एवं स्थानीय पार्षद मिथलेश जैन मौसूफ बिट्टू एवं एमआईसी सदस्यों की उपस्थिति में किया भूमि पूजन

फतवा समाचार ◈ कटनी

लंबे अरसे से शहर के सबसे व्यस्ततम मार्ग सुभाष चौक से रेलवे स्टेशन तक के निर्माण की मांग को शहर की संवेदनशील एवं सक्रिय महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने अपने शहर विकास में शामिल संकल्प को पूरा कर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक एवं वार्ड पार्षद मिथलेश जैन मौसुफ बिट्टू साथ ही एमआईसी सदस्यों व सम्मानीय पार्षदों की उपस्थिति में भूमिपूजन कर शहरवासियों को एक सौगात दी। उल्लेखनीय है कि उक्त मार्ग से शहरवासी ही नहीं अपितु ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले व्यापारी एवं बहुसंख्यक लोगों का आवागमन रहता है लेकिन मार्ग अव्यवस्थित होने के कारण यहां पर आवागमन में समस्याओं का सामना करना पड़ता था। हमेशा लोग घंटों जाम की जटिल समस्या से जूझते रहते थे जिससे अब जल्द मुक्ति मिल जाएगी। महापौर ने कहा कि उक्त मार्ग के निर्माण को लेकर शहरवासियों द्वारा समय समय पर मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि शहरवासियों द्वारा की जा रही मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर यह ऐतिहासिक सौगात प्रदाय की गई है। मार्ग का निर्माण लगभग 19 लाख रुपए की लागत से मध्य प्रदेश शासन के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह द्वारा शहर की सड़कों के रखरखाव एवं नव निर्माण के लिए प्रारंभ किए गए कायाकल्प अभियान के प्रथम चरण में किया जाएगा। महापौर श्रीमती सूरी द्वारा किए गए शहर हित के इस अभिनव एवं अतुलनीय कार्य से शहरवासियों में हर्ष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने कहा कि शहर की संवेदनशील महापौर द्वारा ही आम जनता के हितों को शिरोधार्य रखकर कार्य किया जा रहा है। तो वहीं महापौर द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं ठेकेदार को दो टूक शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि शासन की गाइड लाइन एवं तय मापदंडों के अनुसार ही सड़क निर्माण में सामग्री का उपयोग होना चाहिए। भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से एमआईसी सदस्य सर्व श्री संतोष शुक्ला डॉ रमेश सोनी सुभाष साहू अवकाश जायसवाल श्रीमती बीना बैनर्जी वरिष्ठ पार्षद मिथिलेश जैन मोसुफ अहमद बिट्टू राजकिशोर यादव श्रीमती सीमा श्रीवास्तव श्रीमती शकुंतला सोनी सुरेंद्र गुप्ता जयनारायण निषाद तुलाराम गोटिया रमेश सोनी प्र. सहायक यंत्री अनिल जायसवाल उपयंत्री पवन श्रीवास्तव सहित अधिकारियों कर्मचारियों गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

देश व प्रदेश में लक्ष्य का निर्धारण कर चर्तुदिक विकास के कार्य किये जा रहे हैं : सांसद जनार्दन मिश्र

फतवा समाचार ◈ रीवा

रीवा के विकास के लिए मैं दिन रात चिंतनशील रहता हूं - पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक श्री राजेन्द्र शुक्ल
538.08 लाख रुपए की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक सर्किट हाउस का भूमिपूजन संपन्न

मध्यप्रदेश शासन की पुर्नघनत्वीकरण योजना के अन्तर्गत 538.08 लाख रुपए की लागत से अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त सर्किट हाउस का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस कार्य का भूमिपूजन सांसद श्री जनार्दन मिश्र एवं पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक श्री राजेन्द्र शुक्ल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

राजनिवास परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि देश व प्रदेश में लक्ष्य का निर्धारण का चर्तुदिक विकास के कार्य किये जा रहे हैं जिससे देश की अर्थ व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ कार्य करने वालों की सोच में भी परिवर्तन हुआ है और सभी कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ निश्चित समय सीमा में किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रीवा में राजनिवास सर्किट हाउस का निर्माण कार्य किया जा रहा है जो प्राचीन इतिहास के सम्मुख जनता द्वारा निर्मित इतिहास का स्वरूप होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा बनाये गये भवन के सम्मुख प्रजातंत्र के सिपाहियों द्वारा बनाया जा रहा नवनिर्मित भवन चिरकाल तक इतिहास के पन्नों में अंकित रहेगा। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मैं दिन रात रीवा के विकास के लिए चिंतनशील रहता हूं हमारा लक्ष्य है कि रीवा में सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए योजनाबद्ध तरीके से विकास किया जा रहा है और इसे अमीर जिला बनाया जायेगा। हमारा रीवा देश का सबसे बेहतर जिला बनें यही मेरा संकल्प है। उन्होंने कहा कि पुर्नघनत्वीकरण योजना से रीवा की तस्वीर बदली है। रीवा में काफी समय से अत्याधुनिक सर्किट हाउस की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब पांच सितारा सुविधाओं वाला अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त सर्किट हाउस निर्मित होगा जिसमें रूकने वाले अतिथि सुखद याद लेकर जायेंगे। उन्होंने कहा कि रीवा का राजनिवास ऐतिहासिक भवन है जो अपने आप में बहुत सारी यादें संजोये हुए हैं यह शासकीय, प्रशासकीय व राजनैतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि रीवा हर क्षेत्र में बदला है। कार्य करने की अच्छी नियति एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से रीवा का विकास हो रहा है। जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने कहा कि रीवा में अच्छे सुविधायुक्त सर्किट हाउस की बहुत दिनों से जरूरत थी जिसकी पूर्ति होगी। उन्होंने इस कार्य को पूर्ण कराने के लिए रीवा विधायक श्री शुक्ल का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रीवा में विकास के आयाम स्थापित हुए हैं और रीवा तेजी से विकसित होने वाला जिला व शहर बन रहा है। अपने उद्बोधन में वरिष्ठ चिंतक एवं पत्रकार जयराम शुक्ल ने कहा कि रीवा राजनिवास सर्किट हाउस अंग्रेजों, राजतंत्र एवं लोकतंत्र की गतिविधियों का गवाह रहा है। इस भवन एवं परिसर की यादें सभी के मानस पटल पर अंकित हैं। उन्होंने कहा कि राजनिवास प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण हैं हमें अपने इतिहास के अच्छे एवं बुरे दौर को दृष्टिगत रखना चाहिए। अब अत्याधुनिक सर्किट हाउस रीवा के इतिहास में एक अलग पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि रीवा तेजी से बढ़ता हुआ शहर है जिसका ग्रोथ रेट इंदौर के बाद दूसरे स्थान पर है। तकनीकी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री अनुज प्रताप सिंह ने बताया कि 538.08 लाख रुपए से बनाये जा रहे सर्किट हाउस के भूतल पर इन्ट्रेन्स फायर, ड्राइंग हाल, वेटिंग एरिया, मीटिंग हाल, डाइनिंग रूम एवं दो सुइट रूम तथा प्रथम तल पर 4 सुइट रूम सहित कुल 6 सुइट रूम होंगे। भवन में लिफ्ट की भी सुविधा होगी। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन सहायक यंत्री हिमांशु वर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक नामदेव ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी अर्जुन सिंह चौहान, जयंत खन्ना, विवेक दुबे सहित शहर के पार्षदगण, प्रभारी आयुक्त नगर निगम शैलेन्द्र शुक्ला, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी एवं बड़ी संख्या में अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

समाधान ऑनलाइन के एजेंडा बिन्दुओं में तत्काल कार्यवाही करें : कलेक्टर

फतवा समाचार ◈ रीवा

एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें : कलेक्टर

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में आमजनता से जुड़े सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की मुख्यमंत्री जी समीक्षा करते हैं। इसके एजेण्डा बिन्दुओं से संबंधित सभी सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का तत्काल कार्यवाही करके निराकरण करें। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में नलजल योजनाओं से जुड़ी 479 शिकायतें लंबित हैं। हैण्डपंपों के सुधार के संबंध में भी नईगढ़ी तथा हनुमना में बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित हैं। इन सभी का इस सप्ताह निराकरण सुनिश्चित करें। वनाधिकार अधिनियम के तहत खण्ड स्तरीय समितियों की बैठक कराकर उसमें पारित प्रस्ताव एक सप्ताह की समय सीमा में जिला स्तरीय समिति में प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि श्रम विभाग में 157 प्रकरण लंबित हैं। जिला श्रम पदाधिकारी इनका निराकरण सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। नक्शा तरमीम, अविवादित नामांतरण, खसरे की नकल, खसरे में सुधार जैसे आवेदन पत्रों का विशेष प्रयास करके निराकरण कराएं। अनुभाग सिरमौर, हनुमना तथा हुजूर में अधिक संख्या में प्रकरण लंबित हैं। ऊर्जा विभाग द्वारा इस सप्ताह अच्छा कार्य किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, योजना विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा वित्त विभाग के अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। इसके लिए विकासखण्ड स्तरीय शिविर भी आयोजित किए जा सकते हैं। जल संसाधन विभाग तथा वन विभाग की प्रगति न के बराबर है। लंबित प्रकरणों इस सप्ताह निराकरण न होने पर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में 15 जून से युवाओं का ऑनलाइन पंजीयन शुरू हो जाएगा। इसके पहले विभिन्न निर्माण एजेंसियाँ तथा औद्योगिक इकाईयों में रिक्त पदों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करा दें। किसान सम्मान निधि के शेष बचे किसानों की केवाईसी तत्काल अपडेट कराएं जिससे उन्हें योजना का लाभ प्राप्त हो सके। इसके लिए पटवारियों को किसानों की सूची आज ही प्रदान कर दें। कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकानों के लिए आवंटित खाद्यान्न के कम उठाव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम सभी दुकानों में खाद्यान्न पहुंचाना सुनिश्चित करें। इसमें लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। बैठक में कृषि आदान, बाढ़ एवं अति वृष्टि से उत्पन्न स्थिति में राहत और बचाव की तैयारी, छात्रवृत्ति वितरण, अनुकंपा नियुक्ति तथा पेंशन प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वरोजगार प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि आगामी 14 से 16 जून तक पेंशन कार्यालय में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर लगाया जा रहा है। अधिकारी इन शिविरों में लंबित प्रकरणों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चार दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आज से

सूर्य प्रकाश त्रिपाठी ◈ सिंगरौली/बैढ़न

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता -2023
राजमाता चुनकुमारी स्टेडियम मे

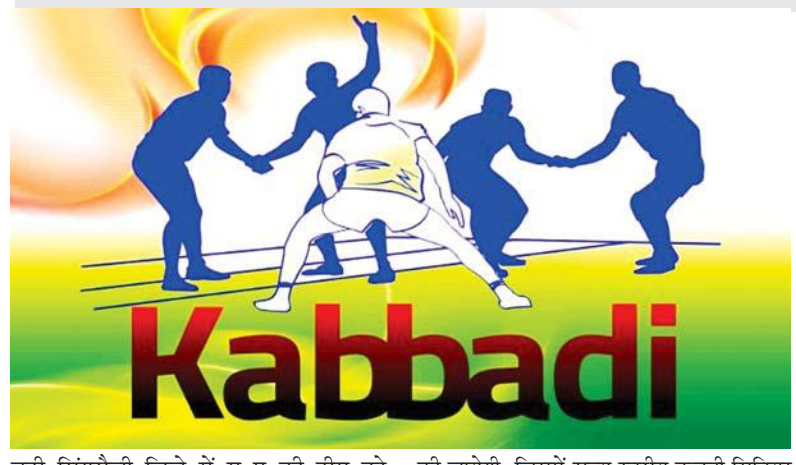

मध्य प्रदेश एमेस्योर कबड्डी एसोसिएशन भोपाल से लगातार सिगरौली कापोरेशन कबड्डी संघ के पदाधिकारियों द्वारा लगातार 04 बर्षो से मांग की जा रही थी जिसमें ज्स बार प्रदेश के सचिव ने फरवरी माह में स्वीकृति देने का आश्वासन दिया था कि एक मार्च 2023 को एम एल चौहान प्रदेश कबड्डी सचिव द्वारा सिंगरौली कारपोरेशन एरिया संघ को सीनियर पुरुष वर्ग कबड्डी चैंपियनशिप को आयोजित करने की अनुमति दी गयी ।

वही इस कबड्डी संघ के संरक्षक कांति शीर्ष देव सिंह, अध्यक्ष इंद्रप्रताप सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. विनोद राय, अमित राज, विनोद सिंह, सचिव पंकज सिंह, सह सचिव सुखचैन शुक्ला, राम सजीवन शाह और सदस्य राकेश मिश्रा है ।

वही मिली जानकारी के अनुसार 04 दिवसीय 15 जून से 18 जून 2023 को ₹राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता₹ सुनिश्चित किया गया जिसमे म.प्र के 52 जिलों से 75 पंजीकृत कबड्डी टीमे भाग लेगी और इस तरह प्रतियोगिता मे मध्य प्रदेश के दो खिलाडी महेश गौर और भवानी राजपूत जो भारत की सबसे बडी लीग प्रो कबड्डी के खिलाड़ी जबलपुर की टीम से भाग लेगे और वही सिंगरौली जिले में म प्र की टीम को चयनीय किया जायेगा। वही राजमाता चुनुकुमारी स्टेडियम बैढ़न में सुबह अपने अपने जिले के एवं वैनर टीम के साथ आये हुये प्रतिभागी का वजन नाप तौल किया जायेगा और दस्तावेजों की जाँच निवास, आधार इसके पश्चात शाम को 4 बजे से प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी जिसमें राज्य स्तरीय कबड्डी सिनियर पुरुष वर्ग का आयोजन जिले मे पहली बार कराया जा रहा है और इस आयोजन को कराये जाने से सिंगरौली जिले में खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है और इस खेल प्रतियोगिता को संपन्न कराने में सभी राजनैतिक दलों व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग मिल रहा है ।

रीवा में जिन अधिकारियों ने 50 से कम राजस्व प्रकरण निराकृत किए हैं, उनका रूकेगा वेतनः कलेक्टर

रीवा। रीवा कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यों की कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समीक्षा की। कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अपने मूल कार्य पर ध्यान दें। अपने क्षेत्र की प्रत्येक महत्वपूर्ण घटना की जानकारी रखें। कानून और व्यवस्था की निगरानी के साथ विकास कार्यों की मॉनीटरिंग करें। सभी अधिकारी राजस्व प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके उनका समय-सीमा में निराकरण करें। भू स्वामित्व योजना के सभी प्रकरण 15 जुलाई तक अनिवार्य रूप से निराकृत कर पात्र हितग्राहियों को भू अधिकार पत्र वितरित कराएं। इसके लिए सभी तहसीलदार दो दिवस में कार्य योजना बनाकर प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख को प्रस्तुत करें। कार्य योजना के अनुसार 15 जुलाई तक समस्त कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। एसडीएम अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की मॉनीटरिंग करें। सीमांकन, बंटवारा के संबंध में पारित आदेशों का पटवारियों से पालन सुनिश्चित कराएं। एसडीएम और तहसीलदार पटवारी बस्ते और रीडर की फाइलों का नियमित निरीक्षण करें। इसी तरह आरसीएमएस पोर्टल और सीएम हेल्पलाइन में 2 से 5 वर्ष से अधिक की अवधि के लंबित सभी प्रकरणों का 31 जुलाई तक अनिवार्य रूप से निराकरण करें।

अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

नरेंद्र त्रिपाठी ◈ सीधी

कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा जिले में अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होने ऐसी परिस्थितियों में लोगों के जीवन की रक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री मालवीय ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने जिला स्तर एवं खंड स्तर में बाढ़ कंट्रोल रूम बनाने तथा जानकारियों के त्वरित आदान-प्रदान के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने जिले के विगत 5 वर्षों के अनुभव के आधार पर अतिवृष्टि के कारण बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उक्त क्षेत्रों में बाढ़ आने की स्थिति से निपटने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि राहत एवं बचाव के लिए सुनियोजित कार्य योजना तैयार करें तथा उसके विषय में संबंधित क्षेत्र के निवासियों को भी अवगत करायें। ऐसे क्षेत्र के ग्रामीण जनों को संभावित खतरों के विषय में जागरूक करें तथा उन्हें ऐसी परिस्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में भी अवगत करायें। कलेक्टर ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए स्थानीय स्तर पर दलों को बनाने के निर्देश दिए हैं जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के कुशल तैराकों एवं इच्छुक वालेंटियर्स को सम्मिलित किया जाए।

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के बांधों विशेषकर बाणसागर एवं गुलाब सागर की स्थितियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि बांधों के भरने की स्थिति में गेट खोलने की आवश्यकता होगी ऐसे में निचले स्तर के ग्रामों तथा बसाहटों में पानी भरने की संभावना होगी। ऐसी बसाहटों की पहचान कर वहां के लिए कार्य योजना बनाए। गेट खोलने के पूर्व ग्रामवासियों को सूचना देने का तंत्र विकसित करें तथा उनके लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान करें। इसके साथ ही उन्होने सभी नहरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अतिवृष्टि के कारण जलमग्न होने वाली पुल, पुलियों एवं रपटों की पहचान कर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेन्सियों को ऐसे स्थानों पर चेतावनी चिन्ह लगाने के निर्देश दिए हैं तथा जलमग्न होने की स्थिति में बेरीकेटिंग कर आवागमन अवरूद्ध करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने नगरीय निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी स्थानों में बारिश के पूर्व नाले एवं नालियों की सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही निचले स्थानों की पहचान कर वहां से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने होमगार्ड की टीम को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक उपकरणों की जांच कर उनका उचित रखरखाव करायें। साथ ही दलों का गठन कर उन्हें जिले के बाढ़ संभावित क्षेत्रों में डिप्लाय करें। दलों का प्रशिक्षण करायें तथा ग्रामवासियों को भी बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में अवगत करायें। कलेक्टर ने जिले के मेडिकल दल को आलर्ट मोड में रहने तथा दवाइयों एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे सहित उपखण्ड अधिकारी एव संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

62 वर्षीय बुजुर्ग बना 3 बच्चों का पिता दूसरी शादी के बाद घर में गूंजी किलकारी

श्रीधर सिंह ◈ सतना

मध्यप्रदेश के सतना जिले से एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिसे आप जानेंगे तो आप भी थोड़े हैरान होंगे. क्योंकि जिस उम्र में पोते-पोतियों को खिलाना होता है, उस उम्र में एक बुजुर्ग तीन बच्चों का पिता बना है. जी हां, 62 वर्षीय बुजुर्ग के घर में किलकारी गूंजी है. बच्चों की मां की उम्र 42 बताई जा रही है, जबकि पिता की उम्र 62 साल है. बता दें कि सतना जिला के उचेहरा थाना क्षेत्र के अतरवेदिया ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच पति 62 वर्षीय गोविंद कुशवाहा के घर तीन बच्चे होने से खुशियां लौट आई है. परिवार में खुशी का ठिकाना नहीं है. बच्चों का वजन कम है, इसलिए डॉक्टरों ने तीनों बच्चों के स्पेशल केयर यूनिट में रखा गया है.

जानिए अब सरपंच पति की कहानी दरअसल वर्षीय गोविंद कुशवाहा

की पहली पत्नी से जन्मे लड़के की 18 वर्ष की आयु में सड़क हादसे में मौत हो गई थी. दोनों पति-पत्नी उदास थे और फिर पहली पत्नी कस्तूरी बाई ने पति को दूसरे विवाह का दबाब डाला और 6 साल पहले अपने पति का दूसरा विवाह करा दिया. अब आज दूसरी पत्नी हीरा बाई ने एक साथ तीन बच्चे को जन्म दिया. तीनों बच्चे लड़के हैं, लेकिन कमजोर है. इसलिए तीनो बच्चों के स्पेशल केयर यूनिट में रखा गया है. कस्तूरी बाई अतर्वेदिया पंचायत की सरपंच रह चुकी है. अब इस परिवार में खुशी का ठिकाना नहीं है.

जानिए क्या कहा गोविंद कुशवाहा ने : गोविंद कुशवाहा ने बताया कि मुझे काफी खुशी है कि मेरे बच्चे हुए हैं. अभी उन्हें ऑक्सीजन में रखा गया है. मेरी पहली पत्नी ने ही मुझे दूसरी शादी के लिए कहा था, वो खुद ही लड़की देख आई थी. जिसके बाद मैंने कंचनपुर की रहने वाली हीराबाई से पशुपतिनाथ मंदिर में दूसरी शादी रचाई थी. कुछ वर्षों बाद हीराबाई गर्भवती हुई. आज सुबह सतना के जिला अस्पताल में तीन नवजात शिशुओं को जन्म दिया.

तीन बच्चों को दिया जन्म : गौरतलब है कि एक साथ तीन बच्चों का जन्म का ये पहला कोई मामला नहीं है. इससे पहले भी दुनियाभर में कई ऐसे मामले सामने आए हैं. हाल ही में बालाघाट में एक महिला ने एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया था. हालांकि ये मामला इसलिए भी अलग है क्योंकि यहां 62 वर्षीय शख्स बच्चों का पिता बना है. वो भी दादा बनने की उम्र में।

मैहर के गौरव लालवानी ने NEET में मारी बाजी

श्रीधर सिंह सतना। माँ शारदा की नगरी मैहर के मेघावी छात्र गौरव लालवानी ने NEET का एग्जाम 99.79 परसेंटाइल अंकों के साथ क्रैक की है। गौरव ने सम्पूर्ण भारत मे 4145 वां स्थान प्राप्त कर माता-पिता, गुरुजनों एवं नगर का नाम रोशन किया है।

रीवा में 26 हजार रुपए की 70 लीटर अवैध शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

रीवा। रीवा जिले में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। यहां हनुमना पुलिस ने 26 हजार रुपए की 70 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। साथ ही दो आरोपी गिरफ्तार हुए है। दोनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 245/23 आईपीसी की धारा 34 (2) मप्र आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्जकर कोर्ट में पेश किया है। हनुमना थाना प्रभारी उपनिरीक्षक चेतन मर्सकोले ने बताया कि 13 जून को एक मुखबिर से सूचना आई। पता चला कि एक बिना नंबर की होण्डा शाइन बाइक पर दो तस्कर बीच में सफेद रंग के बोरे पर अवैध रूप से शराब की खेप लेकर खटखरी की तरफ

से नेशनल हाईवे 135 होकर हनुमना कस्बे में बिक्री के लिए आ रहे है। ऐसे में पुलिस ने रीवा-मिजापुर हाईवे पर बढैया प्राइमरी स्कूल के सामने घेराबन्दी की। तब बिना नंबर की बाइक की तलाशी ली गई। बीच में रखी सफेद रंग की बोरी चेक करने पर 70 लीटर शराब निकली है। बाजार में अवैध शराब कीमती 26344 रुपए है। साथ ही बाइक को जब्त कर थाने में खड़ा कराया गया है।

ये गिरफ्तार आरोपी : हनुमना पुलिस ने अरविन्द सिंह उर्फ आरबी पुत्र रावेन्द्र बहादुर सिंह 30 वर्ष और रफी मोहम्मद उर्फ छोटे पुत्र स्व. नासिर अली 40 वर्ष दोनों निवासी बिछरहटा थाना शाहपुर को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 292 पाव सील बन्द देशी प्लेन शराब, 100 पाव गोवा व्हिस्की, एक 50 हजार रुपए की बाइक बरामद की है।

घाना की बैविक यूनिवर्सिटी ने जे०सी०आई० के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग सक्सेना को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया

- समाज सेवा और ईमानदार एवं स्वच्छ पत्रकारिता के लिए दिया गया सम्मान
- राष्ट्रीय संयोजक ने कहा स्वच्छ एवं इमानदार पत्रकारिता ही बन सकती है पत्रकारों की तारनहार

पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा और मजबूत स्तंभ है। हम ऐसा इसलिए कह सकते हैं क्योंकि हमने देश की आजादी में उतना ही योगदान दिया है जितना हमारे देश के वीर सपूतों ने ! क्योंकि जब हम आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे तब इसी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता के दीवानों के दिल में आग भर कर रख दिया था और जिसके चलते हमारे वीरों ने, आजादी के दीवानों ने एक क्रांति पैदा कर दी और अंग्रेजी सरकार की नीव हिला कर रख दी परिणाम स्वरूप उन्हें भागना पड़ा और हम आजाद हो गए।

परंतु हमारे देश के हुक्मरानों के साथ-साथ पत्रकारिता का स्तर भी निरंतर गिरता चला गया और आज पत्रकारिता के विकृत रूप को देखकर ऐसा लगता ही नहीं है कि कभी आजादी की लड़ाई में हमारा सराहनीय योगदान रहा होगा।

पत्रकारिता ना कभी किसी की मोहताज थी और ना है आज भी मां सरस्वती के नालायक बेटे जिन्होंने चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपना ईमान बेच कर मां सरस्वती के आंचल को जहां तार-तार किया है वही

राष्ट्रीय अध्यक्ष को मानद उपाधि मिलने पर संगठन ने दी शुभकामनाएं

स्वच्छ और इमानदार पत्रकारिता करते हुए मां सरस्वती के सपूतों ने मां सरस्वती का सिर भी गर्व से ऊंचा कर दिया है और ढेर सारी मिसाल भी कायम की है।

इन्हीं में से एक है स्वच्छ एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजे गए जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग सक्सेना।

वैसे तो देश में तमाम सारे संगठन हैं, और उनकी अपनी विचारधाराएं हैं, जिनके आधार पर वह कार्य करते हैं परंतु जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने ईमानदार एवं कृत संकल्प विचारधाराओं पर चलते हुए पत्रकारों के लिए एक नया आयाम स्थापित किया है आज डिजिटल मीडिया प्रिंट मीडिया और पोर्टल के लिए आवाज उठाने वाली एक मात्र संस्था के रूप में जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यही कारण है कि अब सरकार पत्रकारों की बात को सुनने लगी है हम उम्मीद करते हैं कि हम इसी पथ पर चलते हुए पत्रकारों के लिए कुछ बेहतर कर पाएंगे और उनके हक और हुकूक की लड़ाई लड़कर उनका खोया हुआ सम्मान वापस दिला पाएंगे।

कदम चूम लेती है खुद आकर मंजिल,
मुसाफिर अगर अपनी हिम्मत न हारे।

इन्हीं पंक्तियों को सत्य का अमलीजामा पहनाया है जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप सक्सेना ने।आज जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है जब संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष को कांस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका की बैविक यूनिवर्सिटी घाना ने एक शानदार कार्यक्रम के दौरान, जिसमें हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए थे, उन्हें समाज सेवा एवं ईमानदार एवं स्वस्थ पत्रकारिता के लिए डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष को यह सम्मान घाना के बैविक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर फेलिक्स ओफुक्सु द्वारा सौंपा गया।

इस अवसर पर संस्था के कार्यकताओं के साथ साथ पदाधिकारियों द्वारा भी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग सक्सेना को ढेर सारी शुभकामनाएं प्रेषित की गई है।

अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए संस्था के राष्ट्रीय संयोजक डॉ आर सी श्रीवास्तव ने कहा है कि आपकी यह उपलब्धि संस्था के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा जिससे लोग स्वस्थ एवं निष्पक्ष पत्रकारिता की तरफ अग्रसर होंगे हम आपके दीघार्यु होने की प्रार्थना करते हैं ताकि संगठन को आपका संरक्षण एवं मार्गदर्शन सदैव मिलता रहे।

संक्षिप्त खबरें

अब बीस जून से खुलेंगे प्रदेश के सरकारी स्कूल

भोपाल नप्र। प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों की गर्मी की छुटटी और बढा दी है। अब प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूल 20 जून से खोले जाएंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सोमवार को आदेश जारी कर दिया है। अभी तक स्कूल शिक्षा विभाग ने 15 जून तक ग्रीष्मावकाश की घोषणा की थी।16 जून से स्कूल खुलने वाले थे। स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश में लिखा है कि वर्तमान में भीषण गर्मी एवं तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए राज्य शासन की ओर से आंशिक संशोधन करते हुए 19 जून तक ग्रीष्मावकाश बढ़ा दिया गया है। बता दें, कि पहले राजधानी में भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर आशीष सिंह ने शनिवार को ग्रीष्मावकाश बढ़ाने के निर्देश दिए थे कि भोपाल जिले के सभी शासकीय और आशसकीय स्कूल, भीषण गर्मी और बदल रहे मौसम को देखते अब 19 जून से पहले नहीं खोले जाएंगे। अब मध?य प्रदेश के सरकारी और निजी सहित सभी शिक्षण संस्थाएं विद्यार्थियों के लिए 20 जून से खुलेंगी।

राजधानी में रोजाना एक महिला दुष्कर्म की शिकार

भोपाल नप्र। महिला अपराधों के मामले राजधानी में फिर बढने लगे हैं। हालात ऐसे है कि शहर में रोजाना एक महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात हो रही है। पिछले पांच महीने में महिलाओं के साथ 150 दुष्कर्म और 186 छेड़खानी के मामले दर्ज किए गए। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसके कारण अपराधों बढ़ोतरी हो रही है। वह लोग भी सामने आ रहे हैं, जो पहले शिकायत करने थाने नहीं आते थे। जानकारी के मुताबिक जनवरी से लेकर मई तक दुष्कर्म के करीब 150 मामले सामने आ चुके हैं। जबकि छेड़खानी के 186 छेड़खानी के सामने आ चुके हैं। जबकि जून में सामूहिक दुष्कर्म का मामले भी सामने आने शुरू हो गए हैं। ऐसी हालत मासूम बच्चियों के साथ अभी तक 48 मामले नाबालिग के साथ दुष्कर्म के दर्ज किए जा चुके हैं। जबकि घर से लापता होने की बालक- बलिकाओं की संख्या 174 मामले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस इन अपराधों को लेकर शहर के चुनिंदा हिस्सों में बच्चों और महिला अपराध को रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। कोलार में हाल में ही ऐसे अपराध सामने आए हैं, जब मासूम यौन हिंसा की शिकार हुई। उनके साथ दरिंदगी करने वाले आरोपितों की उम्र करीब 76 और 65 वर्ष थी। इस दौरान आरोपित उनका जान पहचान वाला था। अभी 48 एफआइआर नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के दर्ज किए जा चुके है।

संघ कार्यकर्ता की हत्या मामले में तीन मुस्लिम महिलाएं गिरफ्तार

महिलाओं को कोर्ट में पेशकर जेल भेजा

भोपाल नप्र। प्रदेश के खंडवा जिले में करीब तीन साल पूर्व हुई आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या के मामले में फरार चल रही तीन मुस्लिम महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह मामला खंडवा के ग्राम हापला-दीपला में हुई आरएसएस कार्यकर्ता राजेश फूलमाली की हत्या का है।

कोतवाली थाना पुलिस को घटना के बाद से ही इन आरोपितों की तलाश थी। सोमवार को आरोपित महिलाओं की शहर के खानशाहवली क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली। इस पर रामनगर चौकी, मोघट और कोतवाली थाना पुलिस की स्पेशल टीमें गठित करके दबिश दी गई और आरोपित 62 वर्षीय जमीला पत्नी करीम, 40 वर्षीय शायरा पत्नी गनी व 27 वर्षीय मेहजबीन पत्नी सलमान को गिरफ्तार किया गया। शाम को ही इन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया।

शिकायत में आरोपितों के नाम भी बताए थे, किंतु पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लेते हुए केवल धारा 188 में प्रकरण दर्ज किया था। आरोपितों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई। इससे आरोपितों के हौसले बढ़ गए और उन्होंने मिलकर 18 मई 2020 को राजेश को बेरहमी से पीटकर मार दिया था। बाद में इस हत्याकांड ने सांप्रदायिक रूप ले लिया था। इसके बाद तीन अन्य लोगों की हत्या की गई थी। राजेश फूलमाली हत्याकांड में 26 आरोपित थे। 23 आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि उक्त तीन महिलाएं फरार थीं। विदित हो कि राजेश फूलमाली ने अपने साथियों के साथ इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की शिकायत रामनगर चौकी पर आकर की थी।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आज राजगढ़ जिले के मोहनपुरा डेम पर किसान कल्याण महाकुंभ में लाड़ली बहनों ने रक्षा सूत्र के रूप में राखी भेंट की।

ऑनलाइन योगा और फिटनेस लेक्चर्स का नया ठिकाना इंटरनेट मीडिया

इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स पर अब लाइव स्ट्रीमिंग का आप्शन शुरू हो गया है

भोपाल नप्र। इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स पर अब लाइव स्ट्रीमिंग का आप्शन शुरू हो गया है। इसमें यूजर्स अपनी गतिविधि का लाइव टेलीकास्ट कर सकते हैं। इसका फायदा शहर के योगा और फिटनेस एक्सपर्ट ले रहे हैं। वे अब प्रतिदिन इंटरनेट मीडिया पर लाइव डेमो और लेक्चर दे रहे हैं। इससे सिर्फ शहर ही नहीं, बल्कि देश और विदेश के लोग घर बैठे ही योगा और फिटनेस की बारीकियां सीख रहे हैं। ये फिटनेस एक्सपर्ट शहर में भले ही सिर्फ नाम हों, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर इनकी अच्छी-खासी पहुंच और पहचान बन चुकी हैं। दरअसल, लाइव सेशन की शुरूआत मुख्य रूप से कोरोना

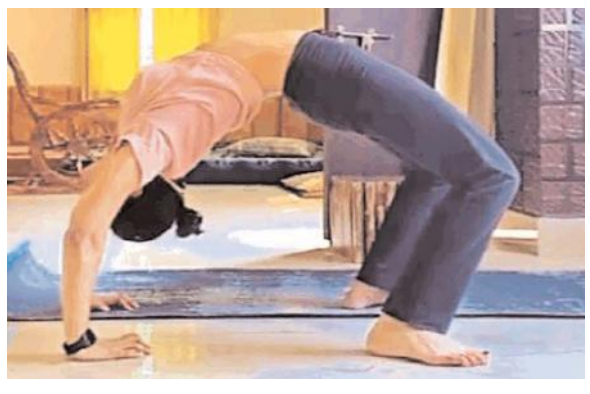

काल से बढ़ी है। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई आनलाइन हो गई थी। विभिन्न प्लेटफार्म पर वीडियो काल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाता था। यहीं से आइडिया लेकर शहर के प्रोफेशनल्स ने भी लाइव आप्शन चुनकर योगा और फिटनेस के गुर सिखाने शुरू कर दिए। ये एक्सपर्ट लाइव सेशन के साथ ही अपने शार्ट वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।

पढ़ाई के साथ सिखा रहीं योगा की बारीकियां

सिटी सेंटर निवासी स्वस्ति शर्मा लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआइपीइ) से योगा से मास्टर इन फिजिकल एजुकेशन कर रही हैं। पढ़ाई के साथ-साथ स्वस्ति ने योगा के आसन करने के सही तरीके के वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड करने शुरू किए। कुछ लोगों ने इंस्टाग्राम पर उनसे संपर्क कर योगा सीखने की इच्छा जताई। उस समय कोरोना की सेकंड वेव होने के कारण उन्होंने इंटरनेट के लाइव स्ट्रीमिंग एप के माध्यम से आनलाइन क्लास लेना शुरू कर दिया। यहीं से और लोग भी जुड़ते चले गए। वर्तमान में स्वस्ति सप्ताह में तीन दिन एक-एक घंटे के लिए योगा क्लासेस आनलाइन लेती हैं।

बाडी देख लोगों ने मांगी टिप्स, शुरू किया लेक्चर

रेलवे कालोनी में रहने वाले शाश्वत शर्मा को शुरू से ही बाडी बिल्डिंग का शौक था। उन्होंने टीनेज से ही वर्कआउट शुरू कर दिया। जिम उनके जीवन का अहम हिस्सा हो गया। एक साल पहले जिम में वर्कआउट करते हुए उनकी सालिड बाडी को देखकर कुछ नए मेंबर्स ने उनसे बाडी बिल्डिंग के टिप्स पूछे। इसके अलावा उनके इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर भी लोग कमेंट सेक्शन में उनसे सलाह लेते थे। इसके चलते शाश्वत ने भी आनलाइन सेशन लेकर टिप्स देना शुरू कर दिए। शाश्वत ने योगा में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री भी की है। ऐसे में लोग उनसे योगासनों के बारे में भी टिप्स लेते हैं।

सभाओं एवं भूमि पूजन पर करोड़ें खर्च करने से नाराज उमा भारती

भोपाल नप्र। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपनी ही सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने एक के बाद एक 7 ट्वीट करते हुए सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा में नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा, कि प्रदेश में एक ओर, सभाओं पर करोड़ों रुपए हर दिन खर्च हो रहे हैं। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में पैसे के अभाव में सारी व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं। उन्होंने सरकारी अस्पतालों के बर्न यूनिट, आईसीयू तथा ओपीडी में गरीब महिलाओं और बच्चों को जो तकलीफ उठानी पड़ रही है। उसे शर्मनाक बताया है। नगर निगम और नगर पालिकाओं की भी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। इंदौर नगर निगम भूमि पूजन और शिलान्यास के कार्यक्रमों के टेंट, फ्लेक्स, पूजन इत्यादि में करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष खर्च करता है। इस तरह के कार्यक्रम के लिए नगर निगम इंदौर का बजट ही 10 करोड़ रुपए का है। इसी तरह अन्य नगर निगम भी करोड़ों रुपए

प्रतिवर्ष खर्च करते हैं। नगर निगम वार्डों की स्थिति बहुत खराब है।वहां पर जरूरी विकास कार्यों के लिए भी राशि उपलब्ध नहीं हो पा रही है। मंत्री,स्थानीय विधायक,महापौर और पार्षदों द्वारा शिलान्यास, भूमि पूजन के कार्यक्रम में लाखों रुपए खर्च कर दिए जाते हैं।नगरीय इलाकों में विधानसभा चुनाव के पहले शिलान्यास, भूमि पूजन की बाढ़ आ गई है।

सभी दफ्तरों में रहा अवकाश; जांच टीम बोली- 3 दिन में देंगे रिपोर्ट

आखिरकार 20 घंटें बाद सतपुड़ा भवन में लगी आग पूरी तरह बुझाई जा सकी

भोपाल नप्र। सतपुड़ा भवन में लगी भीषण आग पर मंगलवार दोपहर 12 बजे तक पूरी तरह बुझाई जा सकी। सोमवार शाम 4 बजे लगी आग पर मंगलवार सुबह 8 बजे तक टीम ने आग पर काबू पा लिया था, लेकिन 6वें फ्लोर से धुआं उठ रहा था। इसी फ्लोर में सुबह 9.25 बजे फिर आग भड़क गई। इससे पहले भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह ने आग पर पूरी तरह काबू पाने की जानकारी दी थी। सतपुड़ा भवन में संचालित होने वाले सरकारी दफ्तरों की आज छुट्टी घोषित कर दी गई है। मध्यप्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटना को लेकर सुबह 10 बजे सीएम हाउस में रिव्यू मीटिंग की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया, सीएम ने जांच के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की है। कांग्रेस के आरोपों पर कहा, वहां कोई भी ऐसे महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं थे, जो इस तरह का काम किया जाए। कांग्रेस के आरोप बेबुनियाद है। 4000 से ज्यादा कर्मचारी काम करते थे, कोई इस तरह की साजिश क्यों करेगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित हाई लेवल जांच कमेटी में शामिल एसीएस होम राजेश राजौरा ने कहा, हमने दौरा किया है। तीन एक्सपर्ट की कमेटी- इलेक्ट्रिकल सेफ्टी, एएनएम विंग, फॉरेंसिक टीम जांच कर रही है। कल फिर दौरा करेंगे। तीन दिन बाद अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे।

आज से कर्मचारी काम शुरू कर देंगे

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि डिजिटल युग में दस्तावेज नष्ट करना संभव नहीं है। थोड़ा समय लगेगा, लेकिन जल्द पूरा बैकअप क्रिएट कर लिया जाएगा। आज शाम से वैकल्पिक दफ्तर शुरू हो जाएंगे। कल से कर्मचारी काम शुरू कर देंगे। कांग्रेस के आरोप पर बोले- कैसे कोई पेट्रोल-केरोसिन ले जाएगा। कांग्रेस हादसों पर राजनीति करती है।

जांच टीम बोली, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर गठित अफसरों की टीम दोपहर 1 बजे दोबारा सतपुड़ा भवन में जांच के लिए पहुंची। इससे पहले सुबह भी टीम यहां पहुंची थी। तब जांच दल के सदस्य एसीएस होम राजेश राजौरा ने कहा, प्रारंभिक जायजा लिया है। अभी आग लगने के कारणों पर कुछ कहना जल्दबाजी होगा। भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है, हमारी प्राथमिकता थी कि कोई जनहानि न हो और आसपास के इलाकों में आग न फैले। सीएम ने घटना की मॉनिटरिंग की। केंद्र सरकार से आर्मी की भी मदद ली गई। सभी एजेंसीज - आर्मी, सीआईएसएफ, भेल, एयरपोर्ट अथॉरिटी के प्रयासों से आग काबू में है।

खेल समाचार

राष्ट्रीय खेल में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने जीते 15 पदक

रायपुर। ओडिशा के भुवनेश्वर में 9 से 12 जून तक आयोजित प्रथम जनजातीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण, 6 रजत, 8 कांस्य मिलाकर कुल 15 पदक अपने नाम किया है। स्पर्धा में 18 राज्यों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर तैराकी में रजत और 100 मीटर में कांस्य पदक जीता। छत्तीसगढ़ की फुटबॉल बालिका टीम ने गोल्ड मैडल जीतकर अपना लोहा मनवाया। इस बड़ी जीत की हीरो रायपुर के बालिका फुटबॉल अकादमी में अभ्यासरत खिलाड़ी किरण पिस्दा रहीं। खो-खो बालिका टीम और कबड्डी बालिका टीम को कांस्य पदक मिला। एथलेटिक्स के ऊंची कूद इवेंट में तानिया ने कांस्य पदक, 5000 मीटर दौड़ पुरुष में मनीष मांडवी ने रजत पदक, 100 मीटर दौड़ में बिलासपुर के बहतराई आवासीय खेल अकादमी की तनीर्का टेटा ने रजत पदक और लंबी कूद में कांस्य पदक प्राप्त किया। 5000 मीटर दौड़ बालिका में प्रमिला मांडवी ने रजत पदक हासिल किया। तीरंदाजी में बिलासपुर के बहतराई आवासीय खेल अकादमी के कुबेर सिंह जगत ने व्यक्तिगत 30 मीटर में रजत पदक तथा व्यक्तिगत ओवर ऑल में रजत पदक अपने नाम किया। मिक्स इवेंट में कुबेर सिंह और बुंदेश्वरी मरावी ने कांस्य पदक जीता। वहीं, तीरंदाजी में टीम चौंपियनशिप बलिका ने कांस्य पदक और बालक तीरंदाजी टीम ने रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं खेल तथा युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विश्व कप ड्राफ्ट शेड्यूल : भारतीय टीम 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के ड्राफ्ट शेड्यूल के अनुसार भारत अपने वनडे विश्व कप अभियान की शुरूआत आठ अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। इसके एक हफ्ते बाद भारतीय टीम अहमदाबाद में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगी। बीसीसीआई ने ड्राफ्ट शेड्यूल को आईसीसी के साथ साझा किया है, जिसे अगले सप्ताह की शुरूआत में अंतिम शेड्यूल जारी होने से पहले भाग लेने वाले देशों को फीडबैक के लिए भेजा जाएगा। शुरूआती मसौदे के अनुसार, टूनार्मेंट की शुरूआत 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। अहमदाबाद 19 नवंबर को फाइनल की मेजबानी भी करेगा। सेमीफाइनल के लिए स्थान, जो 15 और 16 नवंबर को खेले जाने की संभावना है, अभी तक तय नहीं किया गया है। मेजबान भारत, जिसने आखिरी बार 2011 में घर में एकदिवसीय विश्व कप जीता था, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली और बेंगलुरु सहित नौ शहरों में अपने लीग चरण के मैच खेलेगा। इस बीच, पाकिस्तान पांच शहरों में अपने लीग मैच खेलेगा। पाकिस्तान 6 और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में क्वालीफायर से आई दो टीमों से खेलेगा और फिर 20 अक्टूबर को बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। इसके बाद चेन्नई में 23 अक्टूबर को अफगानिस्तान, 27 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और 31 अक्टूबर को कोलकाता में बांग्लादेश से खेलेगा। पाकिस्तानी टीम इसके बाद 5 नवंबर को बेंगलुरु में न्यूजीलैंड से और 12 नवंबर को कोलकाता में इंग्लैंड से भिड़ेगी। टूनार्मेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से आठ टीमें पहले ही तय हो चुकी हैं, जबकि दो अन्य टीमें क्वालीफायर के जरिए क्वालीफाई करेंगी।

मेजर लीग क्रिकेट के पहले संस्करण का आयोजन 13 जुलाई से

नई दिल्ली । संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजबानी में खेले जाने वाले मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के पहले संस्करण का आयोजन 13 से 30 जुलाई तक किया जाएगा। इस लीग के लिए डलास और मॉरिसविले को दो स्थानों के रूप में चुना गया है। उद्घाटन सत्र में छह टीमें शामिल होंगी, जिनमें से चार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़ी होंगी। भाग लेने वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी इस प्रकार हैं: चेन्नई सुपर किंग्स (टेक्सास सुपर किंग्स), मुंबई इंडियंस (एमआई न्यूयॉर्क), कोलकाता नाइट राइडर्स (लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स) और दिल्ली कैपिटल्स (सिएटल ओरकास)। शेष दो टीमें वाशिंगटन फ्रीडम और सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स हैं, दोनों में भारतीय हितधारक भी हैं। लीग के मैच डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम और मॉरिसविले के चर्च स्ट्रीट पार्क में खेले जाएंगे। शुरू में लीग के मैच ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में 13 से 18 जुलाई तक खेले जाएंगे, इसके बाद मैच चर्च स्ट्रीट पार्क में खेले जाएंगे। इसके बाद 27 जुलाई से 30 जुलाई तक होने वाले प्लेऑफ और फाइनल मैच वापस ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में खेले जाएंगे। उद्घाटन मैच टेक्सास सुपर किंग्स और एलए नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। एमएलसी के अनुसार, टूनार्मेंट में छह एमएलसी टीमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए दुनिया के कई शीर्ष क्रिकेटर शामिल होंगे। मैच दूधिया रोशनी में खेले जाएंगे, भारत में खेलों के प्रसारण अधिकार वायकॉम 18 द्वारा सुरक्षित किए गए हैं।

टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस प्रकार है:

डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में खेले जाने वाले मैच-

13 जुलाई: टेक्सास सुपर किंग्स बनाम एलए नाइट राइडर्स।

14 जुलाई: एमआई न्यूयॉर्क बनाम एसएफ यूनिकॉर्न्स; सिएटल बनाम वाशिंगटन फ्रीडम।

15 जुलाई: एसएफ यूनिकॉर्न्स बनाम सिएटल ओरकास।

16 जुलाई: टेक्सास सुपर किंग्स बनाम वाशिंगटन फ्रीडम; एलए नाइट राइडर्स बनाम एमआई न्यूयॉर्क। 17 जुलाई: टेक्सास सुपर किंग्स एमआई न्यूयॉर्क।

18 जुलाई: एलए नाइट राइडर्स बनाम एसएफ यूनिकॉर्न्स।

19 जुलाई: ब्रेक मॉरिसविले में चर्च स्ट्रीट पार्क में खेले जाने वाले मैच-

20 जुलाई: वाशिंगटन फ्रीडम बनाम ला नाइट राइडस

21 जुलाई: सिएटल ऑर्कास बनाम टेक्सास सुपर किंग्स।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का बेंगलुरू हवाई अड्डे पर हुआ जोरदार स्वागत

बेंगलुरु । जापान के काकामीगहारा में हुए जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने के बाद स्वदेश लौटी भारतीय टीम का बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर जोरदार स्वागत किया गया। मंगलवार तड़के हवाई अड्डे पर भारतीय जूनियर महिला टीम की खिलाड़ियों का साई, बेंगलुरु के अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया, जबकि कई दर्शकों ने युवा सितारों के साथ सेल्फी ली। गर्मजोशी से किये गए स्वागत से उत्साहित, कप्तान प्रीति ने कहा, ₹पूरे टूनार्मेंट में हमें मिले प्यार और समर्थन से हम वास्तव में अभिभूत हैं। हमने इस तरह के स्वागत की उम्मीद नहीं की थी और जब से हम फ्लाइट से बाहर निकले हैं, तब से हमें खुशी हो रही है। हवाईअड्डे के अधिकारियों से लेकर साथी यात्रियों और साई और हॉकी बिरादरी के अधिकारियों ने सभी ने बहुत सराहना की। आधी रात के बाद केवल हमारा स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर आना शानदार था। प्रीति ने यह भी कहा कि यह अविश्वसनीय उपलब्धि हॉकी इंडिया, साई, टॉप्स एनसीओई और ओडिशा राज्य सरकार के निरंतर सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हमने सही समय पर सही खेल को चुना है। हमारे पास साई, बेंगलुरु में टॉप्स एनसीओई में एक बहुत अच्छी तरह से समर्थित कार्यक्रम है, जहाँ हमारी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाता है। हॉकी इंडिया ने सुनिश्चित किया है कि हमारे पास सबसे अच्छा कोचिंग स्टाफ है और समूह के सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप और खेलो इंडिया गेम्स से चुना जाता है, जो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल में करियर बनाने का एक बड़ा अवसर देता है। हमारे पास इस मेगा सपोर्ट सिस्टम में ओडिशा सरकार का समर्थन भी शामिल है। जिसके बाद अच्छा करने की जिम्मेदारी हम पर थी।

इस विजयी भारतीय जूनियर महिला टीम की सभी 18 सदस्य टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) का हिस्सा हैं। समूह को खेलो इंडिया यूथ गेम्स के साथ-साथ हॉकी इंडिया जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के आधार पर कार्यक्रम में चुना गया था। चिली के सैंटियागो में होने वाले आगामी एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में पोडियम पर पहुंचने के अपने प्रयास में हॉकी प्रशंसकों से अपनी टीम का समर्थन करने का आग्रह करते हुए, आत्मविश्वास से भरी उपकप्तान दीपिका ने कहा, ₹हमें उम्मीद है कि भारतीय हॉकी प्रशंसक एफआईएच जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के हमारे प्रयास में हमारा समर्थन करना जारी रखेंगे। जूनियर एशिया कप में इस जीत ने जूनियर विश्व कप में पदक जीतने के हमारे दृढ़ संकल्प को हवा दी है।

इंडोनेशिया ओपन : पीवी सिंधु और एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता । भारतीय स्टार बैडमिंयन खिलाड़ी पीवी सिंधु और एचएस प्रणय इंडोनेशिया ओपन 2023 बैडमिंटन टूनार्मेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने महिला एकल वर्ग में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ग्रेगोरिया मरिस्का तुनजुंग को सीधे गेम में 21-19, 21-15 से हराकर तुनजुंग के खिलाफ दो मैचों से चली आ रही हार के सिलसिले को भी खत्म किया। बता दें कि तुनजुंग ने इससे पहले सिंधु को मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में और मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के फाइनल में हराया था। पीवी सिंधु अंतिम 16 में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 3 ताई त्जु यिंग का सामना करेंगी, जो गत इंडोनेशिया ओपन चैंपियन भी हैं। वहीं, पुरुष एकल टूनार्मेंट में विश्व में आठवें स्थान पर काबिज भारत के एचएस प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 1000 इवेंट के शुरूआती दौर में जापान के विश्व नंबर 11 केंटा निशिमोतो को 21-16, 21-14 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। प्रणय अब अगले दौर में दुनिया के 16वें नंबर के हांगकांग के एंगस एनजी का लॉन्ग से खेलेंगे, जिन्होंने दो बार के विश्व चैंपियन जापान के केंटो मोमोटा को पहले दौर में हराया था। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद महिला युगल में अपना पहला मैच जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी से 22-20, 12-21, 16-21 से हार गईं। ट्रीसा और गायत्री अब इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के पहले दौर में लगातार चार मैच हार चुकी हैं।

केवल विराट कोहली ही बता सकते हैं कि उन्होंने टेस्ट कप्तानी क्यों छोड़ी : सौरव गांगुली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि विराट कोहली का भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान पद से हटना उनका व्यक्तिगत निर्णय था और केवल वही बता सकते हैं कि उन्होंने सबसे लंबे प्रारूप में कप्तानी क्यों छोड़ी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली 209 रन की हार के बाद प्रशंसकों द्वारा भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में कोहली को फिर से बहाल करने की मांग के मद्देनजर गांगुली की यह टिप्पणी आई है। हालाँकि, कोहली पिछले तीन वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में बल्ले से असफल रहे हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद गांगुली ने एक समाचार चैनल को दिये साक्षात्कार में कहा,₹बीसीसीआई विराट कोहली को टेस्ट कप्तानी से हटाने के लिए तैयार नहीं था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद हमारे लिए भी यह अप्रत्याशित था। केवल विराट कोहली ही बता सकते हैं कि उन्होंने कप्तानी क्यों छोड़ी। इस बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि विराट कोहली ने टेस्ट कप्तानी खुद छोड़ दिया था। चयनकताओं को भारत का कप्तान नियुक्त करना था और रोहित उस समय सबसे अच्छे विकल्प थे। कोहली ने भारतीय कप्तान के रूप में 68 मैचों में 40 जीत और 11 ड्रॉ के साथ टेस्ट इतिहास में चौथे सबसे सफल कप्तान के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया। 34 वर्षीय कोहली सबसे अधिक टेस्ट जीतने वाले कप्तानों की सूची में केवल ग्रीम स्मिथ, रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ से पीछे हैं।

मीराबाई चानू और बिंदयारानी देवी के यूएसए में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय ने टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम एथलीट मीराबाई चानू और बिंदयारानी देवी के लिए विदेशी प्रशिक्षण शिविर को मंजूरी दे दी है, जो एशियाई खेलों के लिए यूएसए जाएंगी। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की हालिया बैठक के दौरान मंजूरी दी गई। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई और राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदयारानी सेंट लुइस स्क्वाट विश्वविद्यालय में डॉ. एरोन हॉर्शिंग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेंगी और आगामी एशियाई खेलों से पहले पुनर्वास और शक्ति प्रशिक्षण प्रक्रिया पर काम करेंगी।

अपने 65 दिवसीय विदेशी प्रशिक्षण शिविर के दौरान, इन दोनों के साथ भारतीय मुख्य कोच विजय शर्मा और उनके फिजियोथेरेपिस्ट तेस्नीम जायद भी होंगे। सरकार उनके हवाई यात्रा खर्च, बोर्डिंग और लॉजिंग लागत, चिकित्सा बीमा, स्थानीय परिवहन लागत, जिम खर्च और डॉक्टर के परामर्श लागत सहित अन्य खर्चों को कवर करेगी।

क्या टेस्ट टीम से पुजारा-उमेश की छुट्टी होगी

मुंबई । वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में लगातार 2 फाइनल गंवाने के बाद भारतीय टीम में बदलाव का दौर शुरू हो रहा है। हालांकि इसमें कुछ समय लग सकता है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद अब भारतीय सिलेक्टर्स पर नया बैच तैयार करने का दबाव है। ऐसे में कुछ टेस्ट स्पेशलिस्ट प्लेयर को अपनी प्लेस गंवानी पड़ सकती है। साथ ही कुछ युवा चेहरों को आजमाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि WTC फाइनल हारने के बाद टेस्ट स्पेशलिस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव अपनी जगह गंवा सकते हैं। उनकी जगह युवा यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को विंडीज दौरे पर मौका दिया जा सकता है, क्योंकि टेस्ट चैम्पियनशिप के पिछले सीजन में पुजारा और उमेश ही टीम की कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। ऐसे में संभव है कि उन्हें ड्रॉप किया जाए।

फोर्ब्स की वैश्विक सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज 45वें स्थान पर

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। फोर्ब्स की नवीनतम ग्लोबल 2000 सूची में आरआईएल आठ पायदान की छलांग के साथ 45वें स्थान पर पहुंच गई है। इस सूची में किसी भी भारतीय कंपनी के मुकाबले यह सर्वोच्च स्थान है। बिजनेस मैग्जीन फोर्ब्स ने 2023 के लिए दुनिया की शीर्ष 2000 कंपनियों की सूची जारी की है। फोर्ब्स ने इसे चार कारकों- बिक्री, लाभ, संपत्ति और बाजार मूल्यांकन के आधार पर तैयार किया है। इस सूची में अमेरिका का सबसे बड़ा बैंक जेपी मॉर्गन 2011 के बाद पहली बार शीर्ष पर है, जिसकी कुल संपत्ति 3700 अरब डॉलर है। सऊदी तेल कंपनी अरामको दूसरे स्थान पर है। फोर्ब्स की सूची में कुल 55 भारतीय कंपनियों को शामिल किया गया है। सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज को 109.43 अरब अमेरिकी डॉलर की बिक्री और 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर के लाभ के साथ 45वां स्थान मिला है। समूह का कारोबार तेल से लेकर दूरसंचार तक फैला हुआ है। आरआईएल सूची में जर्मनी के बीएमडब्ल्यू समूह, स्विट्जरलैंड के नेस्ले, चीन के अलीबाबा समूह, अमेरिकी प्रॉक्टर एंड गैंबल और जापान की सोनी से आगे है। सूची के मुताबिक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 77वें स्थान (2022 में 105वां स्थान), एचडीएफसी बैंक को 128वां स्थान (2022 में 153वां स्थान) और आईसीआईसीआई बैंक 163वें स्थान (2022 में 204वां स्थान) पर है। सूची में ओएनजीसी 226वें, एलआईसी 363वें, टीसीएस 387वें, एक्सिस बैंक 423वें, एनटीपीसी 433वें, लार्सन एंड टुब्रो 449वें, भारती एयरटेल 478वें, कोटक महिंद्रा बैंक 502वें, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन 540वें, इंफोसिस 554वें और बैंक ऑफ बड़ौदा 586वें स्थान पर हैं। फोर्ब्स की इस सूची में कारोबारी गौतम अडाणी के समूह की तीन प्रमुख कंपनियों अडाणी एंटरप्राइजेज को 1062वां स्थान, अडाणी पावर को 1488वां स्थान और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन को 1598वां स्थान मिला है।

शेयर बाजार में दिखा जोश, निवेशकों को 1 दिन में 2.07 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली । मजबूत ग्लोबल सकेतों और महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की खबर ने आज घरेलू शेयर बाजार में जोश भर दिया। खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार कल 0.6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स कल एक बार फिर 63 हजार अंक के स्तर को पार करके बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने भी 187,00 अंक ऊपर जाकर आज के कारोबार का अंत किया। दिनभर के कारोबार में आई तेजी के कारण शेयर बाजार के निवेशकों को एक दिन में ही 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हो गया। कल के कारोबार में सबसे अधिक तेजी कंज्यूमर ड्यूरेबल, रियल्टी, एफएमसीजी, मेटल, फार्मास्यूटिकल और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में दर्ज की गई। इसके अलावा आईटी और पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। बाजार में जोश की वजह से सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। कल ब्रॉडर मार्केट में भी तेजी का रुख बना रहा। जिसकी वजह से बीएसई के मिडकैप इंडेक्स ने 1.17 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। कल बाजार में आई तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 289.99 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 287.92 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.07 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। कल दिनभर के कारोबार में बीएसई में 3,722 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,127 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,458 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 137 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,074 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,243 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 831 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

श्री श्री रवि शंकर ने अमरकंटक में मां नर्मदा की पूजा कर लिया आशीर्वाद

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

कल्याण सेवा आश्रम में की सौजन्य भेंट,श्रद्धालुओं ने की गुरु वन्दना

आर्ट आफ लिविंग एवं इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यूज के संस्थापक, विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर बुधवार को माता नर्मदा की उद्गम नगरी अमरकंटक पहुंचे, जहां नर्मदा उद्गम कुंड एवं नर्मदा मन्दिर में मां की विधिवत पूजा अर्चना की। अल्प प्रवास पर अमरकंटक आगमन पर श्री श्री का स्वागत भाजपा नेता मनोज द्विवेदी द्वारा किया गया। इस मौके पर पत्रकार उमाशंकर मुन्नू पाण्डेय एवं एसडीएम विवेक के वी, एसडीओपी सोनाली गुप्ता पुष्पराजगढ, नगर निरीक्षक अमरकंटक सहित अन्य लोग रहे।

मन्दिर में की पूजा, लगाया ध्यान

प्रातः लगभग 10 बजे श्री श्री रविशंकर अमरकंटक नर्मदा उद्गम मन्दिर पहुंचे, जहां उद्गम कुंड में मन्दिर के पुजारियों ने पूजन करवाया। यहीं द्वादश शिवलिंग पर उन्होंने लघु अभिषेक किया। तत्पश्चात वे उद्गम मन्दिर पहुंचे,जहां प्रधान पुजारी वंदे महाराज सहित अन्य प्रमुख पुजारियों ने नर्मदा मैया और शिव परिवार की विधिवत पूजा करवाई। श्री श्री महाराज ने कुंड परिसर में ही ध्यानलीन हो कर विश्व कल्याण हेतु प्रार्थना की।

कल्याण आश्रम परिसर मन्दिर में की पूजा

श्री श्री कल्याण सेवा आश्रम परिसर में बने विश्व विख्यात मन्दिर में दर्शन के किया। जहां कल्याण सेवा आश्रम प्रमुख हिमाद्री मुनी और उनके साथ अन्य लोगों ने प्रतीक चिन्ह,साल,श्री फल, माल्यार्पण से उनका स्वागत किया। श्री श्री महाराज विजयराघवगढ में प्रदेश के पूर्व मंत्री, समाजसेवी विधायक पं संजय सत्येन्द्र पाठक की पहल पर बन रहे श्री हरिहर तीर्थ के पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आज प्रातः नर्मदा दर्शन के लिये अमरकंटक पहुंचे। अमरकंटक में श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक के स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज, स्वामी जगदीश आनंद महाराज, स्वामी हर स्वरूप महाराज, स्वामी हनुमान दास महाराज, नर्मदा मंदिर के पुजारी उमेश द्विवेदी ,उत्तम द्विवेदी, सुनील द्विवेदी, कामता प्रसाद द्विवेदी, रुपेश द्विवेदी, सोनू द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी ,बिंटू द्विवेदी, रवि द्विवेदी, धर्मेंद्र द्विवेदी,जुगुल द्विवेदी, धनेश द्विवेदी, राहुल कुमार पांडेय, मनोज द्विवेदी,श्रवण उपाध्याय, उमा शंकर पांडेय मुन्नू,संदीप ज्योतिषी सहित अन्य, लोग उपस्थित रहे।

लडली बहनाओं के खाते में 1000 आने से बहनाओं ने मुख्यमंत्री को दिया बधाई

फतवा समाचार ◈ राजेन्द्रग्राम

दिनांक 13/6/23 दिन मंगलवार को प्रदेश संगठन एवं जिला संगठन के निदेर्शानुसार राजेदग्राम मंडल का विशेष काम काजी बैठक रखा गया। बैठक का उद्देश्य माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देना लाडली बहना का पैसा डालने पर ।जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं सभी मंडल के पदाधिकारी, एवं मंडल कार्यसमिति सदस्य पूर्व मंडल अध्यक्ष सभी मोर्चा के वर्तमान मंडल अध्यक्ष सभी मोर्चा के, एवं सदस्य पदाधिकारी, शक्ति केंद्र के प्रभारी संयोजक सहसंयोजक मीडिया प्रभारी लाभार्थी प्रभारी सभी बूथ के अध्यक्ष व 11 समिति के कार्यकर्ता मंडल में निवासरत सभी देवतुल्य कार्यकर्ता, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य जिला पदाधिकारी ,आप सभी कार्यकताओं

से आग्रह है कि समय का विशेष ध्यान रखते हुए इस बैठक में उपस्थिति प्रदान कर इस बैठक को सफल बनाने में अपनी सहयोग करें इस बैठक में विशेष रुप से शहडोल संसदीय क्षेत्र के सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह जी, पूर्व विधायक श्री सुदामा सिंह जी, जिला महामंत्री श्री हीरा सिंह श्याम जी, वर्तमान जनपद अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश मरावी जी, एवं जिला अध्यक्ष श्री रामदास पुरी जी उपस्थित रहें।

थाना भालूमाड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में हुए दोहरे हत्याकांड के 2 आरोपी पुलिस हिरासत में

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

एडीजी शहडोल जोन डीसी सागर के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु 30,000/- रुपए के इनाम की उद्घोषणा की गई

आज दिनाँक 13.06.2023 को 10:30 बजे फरियादी नरेश प्रजापति पिता मैकू प्रजापति निवासी बरबसपुर के द्वारा इस आशय की सूचना दी गई कि छोटन रजक, भरत रजक एवं छोटन रजक की पत्नी तीनों निवासी ग्राम बरबसपुर थाना भालूमाड़ा के द्वारा जमीनी रंजिश के कारण विजय प्रजापति, उसकी मां ताराबाई, पत्नी जयंती प्रजापति के साथ धारदार टंकियां, फरसा, तलवार एवं लाठी से मारपीट करने लगे मारपीट के दौरान जयंती प्रजापति एवं ताराबाई की मृत्यु हो गई एवं विजय प्रजापति व एक अन्य के हाथ पैर में चोट लगने से घायल हो गए जिन्हें कोतमा चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती कराया गया। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अभिषेक राजन के द्वारा एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल एवम पुलिस बल के साथ

तत्काल घटनास्थल पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन श्री डीसी सागर के द्वारा घटनास्थल पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए बिंदुवार त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु ?30,000/- के पुरस्कार की घोषणा की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक राजन के द्वारा एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल के नेतृत्व में थाना भालूमाड़ा एवं साइबर सेल की विशेष टीम गठित कर तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। गठित विशेष टीम के द्वारा अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धति का सहारा लेते हुए घटना के फरार आरोपियों में से दो आरोपियों छोटन रजक एवं भरत रजक को पुलिस हिरासत में लिया गया है। जिनसे घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। घटना के फरार आरोपी छोटन रजक की पत्नी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम रवाना किया गया है, जिसके द्वारा शीघ्र ही आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों की दशा और दिशा को बदलने में प्रदेश सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए कार्य : रामदास पुरी

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के खाद्य मंत्री के संदेश का हुआ वाचन

प्रधानमंत्री कृषक ब्याज माफी तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का जिला स्तरीय आयोजन सम्पन्न

प्रदेश के किसानों की दशा और दिशा को बदलने में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान किसान पुत्र होने के नाते किसानों के दुःख-दर्द को बेहतर तरीक से समझते हैं। उन्होंने प्रदेश के किसानों के दर्द को समझते हुए ही मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 का क्रियान्वयन किया है। इससे हमारे जिले के 2503 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। किसानों को कर्ज की माफी से संबल मिलेगा। प्रदेश सरकार ने जीरो प्रतिशत पर कृषक ऋण देने के साथ ही सिंचाई के संसाधन बढ़ाकर कृषि के रकबे को बढ़ाने के लिए भी सतत रूप से कार्य किया है। उक्ताशय के विचार मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अवसर पर जिला मुख्यालय के एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में आयोजित किसान महाकुंभ के जिला स्तरीय कार्यक्रम को मुख्य आतिथ्य की आसंदी से संबोधित करते हुए विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी ने कही।

इस अवसर पर नगरपालिका अनूपपुर की अध्यक्ष अंजुलिका सिंह, उपाध्यक्ष सोनाली तिवारी, जिला आत्मा गवर्निंग बोर्ड के सदस्य ज्ञानेन्द्र सिंह परिहार, रष्मि खरे, शिवरतन वर्मा, विवेक बियानी, रामनारायण उरमलिया, चन्द्रिका द्विवेदी, शैलेन्द्र सिंह, पिन्टू तिवारी, सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं अनूपपुर राजेश उईके, उप संचालक कृषि सहित जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में कृषक और ग्रामीणजन उपस्थित थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह के कृषकों के नाम संबोधित संदेश का वाचन विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी के द्वारा किया गया। खाद्य मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने संदेष में कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेष के अन्नदाता कृषकों के दर्द को समझते हुए उनके कल्याण के लिए प्रदेश के 11 लाख कालातीत किसानों के 2123 करोड़ रुपये का ब्याज माफ किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2900 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा रहा है। जिससे किसानों को संबल मिलेगा। अनूपपुर जिले के 2100 कृषक भी लाभान्वित हो रहे हैं। इससे किसान की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किसान और समाज के हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

जिले के 25 सहकारी संस्थाओं में भी आयोजित किए गए कार्यक्रम

अनूपपुर जिले के 25 आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें जनप्रतिधियों सहित कृषकों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता की।

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को देखने एवं सुनने की रही व्यवस्था

मोहनपुरा राजगढ़ में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा भारत सरकार के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय किसान कल्याण महाकुंभ कार्यक्रम को जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल तथा जिले के 25 आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में सीधे प्रसारण के माध्यम से देखने एवं सुनने की व्यवस्था की गई थी।

उमरिया के मिट्टी की बोतल की बढ़ी मांग

देशी थर्मस ब्रांडेड कंपनियों को दे रहे टक्कर

फतवा समाचार ◈ उमरिया

मध्य प्रदेश समेत देश में भीषण गर्मी का प्रकोप हैं। उमरिया जिले में गर्मी के कारण लोग काफी परेशान हैं। बच्चों के स्कूलों के समय को भी बदल दिया गया। गर्मी से बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। एक ओर जहां पैसे वाले लोग गर्मी से राहत के लिए फ्रिज एसी और कूलर का सहारा ले रहे हैं। जबकि साधारण और गरीब परिवार ठंढे पानी के लिए मिट्टी के मटके का उपयोग कर रहे हैं।

उमरिया जिले के चंदिया में मटके के अलावा कई मिट्टी की चीजें मौजूद हैं। जिसका उपयोग कर लोग गर्मी से निजात पा रहे हैं। वहीं उमरिया के बाजारों में मिट्टी के मटके के साथ मिट्टी के वाटर बोतल, मिट्टी के मग लोगों को खूब लुभा रहा है। इन मिट्टी के बर्तनों को मध्य प्रदेश से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों के बाजारों में बेचा जा रहा है। खास बात ये है कि इनको साथ में लेकर भी चला जा सकता है। बाजार में इस बार मिट्टी से बनी बोतल खूब बिक रही है। दुकानदार बताते है कि प्लास्टिक के वाटर बोत्तल में पानी जल्दी गर्म हो जाता है। जबकि मिट्टी के

वाटर बोत्तल में पानी घंटो ठंढा और तरोताजा रहता है। अब ऑटो, कार और बसों में भी इस बोतल ने जगह बना ली है। लोग सफर में मिट्टी की बोतलों में पानी भरकर ले जा रहे है। ताकि शीतल जल से गला तर करते रहे। अगर किम्मतों की बात करें तो ये बोतलें काफी कम दाम पर बाजारों में बिक रही हैं। ओमप्रकाश पंडित ने जानकारी देते हुए बताया कि मिट्टी से बनी इस बोतल में 2 से 3 लीटर पानी रखने की क्षमता होती है। इस बोतल के शहर में आ जाने से लोग इसे बेहद पंसद कर रहे हैं। इस गर्मी में इस बोतल की मांग बहुत ज्यादा है। पहले लोग मिल्टन की बोतल को भी ज्यादा लेते थे। लेकिन अब लोग मिट्टी से बनी बोतल का ज्यादा उपयोग कर रहे है। मिट्टी के बर्तन में पानी पीने से स्वास्थ्य के लिए कई फायदे भी हैं। इसका तापमान सामान्य से थोड़ा ही कम होता है, जो ठंडक तो देता ही है। साथ ही पाचन की क्रिया को बेहतर बनाने में मददगार होता है। उमरिया जिले के चंदिया नगर की सुराही पूरे देश में प्रसिद्ध है। गर्मी आते ही मध्य प्रदेश के जबलपुर, शहडोल , कटनी, सतना, रीवा, उमरिया तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के बिलासपुर, रायपुर जैसे शहरो मे चंदिया के कुम्हारो द्वारा तैयार किए गए घड़े, सुराही, मिट्टी के खिलौने, कप, केटली आदि की मांग शुरू हो जाती है। चंदिया के कुम्हारों की इस कला को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा चंदिया के मिट्टी कला को आगें बढ़ाने के कोशिश की जा रही है। मिट्टी का कार्य करने वाले 50 कुम्हारों को माटी हस्त कला बोर्ड के माध्यम से ट्रेनिंग दिलाया गया था। साथ ही मिट्टी की कलात्मक वस्तुएं तैयार करने के लिए उपकरण भी वितरित किए गए।

अनूपपुरः महिला की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

अनूपपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम पसला मंगलवार की रात एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना की जानकारी बुधवार की दोपहर सरपंच पति को मिलने पर कोतवाली थाना अनूपपुर में सूचना दर्ज कराए जाने पर कोतवाली पुलिस के साथ पुलिस अधीक्षक, एफ, एस,एल, विशेषज्ञ, एसडीओपी अनूपपुर मौके में पहुंचकर निरीक्षण कर कार्यवाही प्रारंभ की। प्रारंभिक तौर पर महिला की मौत एवं आरोपितों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार ग्राम पसला के मैरटोला निवासी बबुला कोल की 40 वर्षीय पत्नी चंपाबाई मंगलवार की रात अपने पति के साथ गांव की दुकान पर गए थे। वहां से वापस लौटते समय पति आगे चला गया और घर पहुंच गया, लेकिन काफी देर तक तक पत्नी घर नहीं पहुंची तो वह उसे देखने के लिए निकला तो उसे वह रास्ते में मृत अवस्था में मिली। उसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे। बुधवार की दोपहर घटना की जानकारी सरपंच पति रोहित सिंह को गांव की ललन राठौर द्वारा बताए जाने पर कोतवाली थाना अनूपपुर में घटना की सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अजीत सिंह पवांर, एफएसएल विशेषज्ञ, एसडीओपी अनूपपुर कीर्ति बघेल, कोतवाली थाना प्रभारी अजय सिंह टेकाम घटनास्थल पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर पति एवं आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ कर जानकारी एकत्रित कर शव का पोस्टकमार्डम हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा। घटना की जानकारी पर मृतिका के मायके पक्ष से मां,बहन,भाई स्थल पर पहुंचे प्रारंभिक तौर पर हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका हैं। पुलिस कारणों का पता लगाने में लगी हैं। मृतिका के सिर, माथा, पेट के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान पाए गए हैं। एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि ग्रमीणों से पूछताछ में पता चला है कि दोनों ने शराब पी रखी थी। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद कुछ पता चल सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715